RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:339। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 30 जुलाई 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पेपर लीक रोकने का सख्त कानून लोकसभा में पास

इसमें 7 साल की सजा | 10 करोड़ तक जुर्माना

राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर

ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य सड़कों पर उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।'

वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

लोकसभा में राहुल की 50 मिनट की स्पीच

जमकर हंगामाः 'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर ने 11 बार

रिजिजू ने 7 बार टोका, कहा- माफी मांगें

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य

सड़कों पर उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।' पेपर लीक से जुड़े बिल पर आज लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। बिल पर 9 घंटे बहस हुई थी। पहले दिन केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष की तरफ से गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव बहस में शामिल हुए।

मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया, माफी नहीं मांगूंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार शाम को प्रेस कांफ्रेंस में सरकार पर बोलने का अवसर न देने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बोलने के कई मौके दिए गए, लेकिन विपक्ष के नेता होने के बावजूद उन्हें बोलने से रोक दिया गया। उन्होंने अमित शाह को हटाने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें बोलने का मौका सिर्फ इसलिए नहीं दिया गया क्योंकि उन्होंने दिल्ली में हुई घटना की जिम्मेदारी तय की थी। राहुल गांधी ने कहा–मुझे सदन में बोलने की अनुमति इसलिए नहीं दी गई क्योंकि मैंने स्पष्ट कहा था कि सड़कों पर जो बर्बरता हुई, उसकी पूरी जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह की है। मुझसे कहा गया कि अगर मैं माफी मांगता हूं तो मुझे बोलने दिया जाएगा। लेकिन मैं साफ कर देना चाहता हूँ कि मैं माफी नहीं मांगूंगा।' राहुल गांधी ने दिल्ली की सड़कों पर छात्रों के साथ हुई घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया।

सेना की पहचान केवल रणभूमि में नहीं, बल्कि मानवीय सहायता से भी होती है : राजनाथ सिंह

'युद्ध हो, प्राकृतिक आपदा हो या मानवीय संकट, हमारे सैनिक हमेशा सेवा को सर्वोपरि रखते हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारतीय सेनाओं की पहचान केवल रणभूमि में पराक्रम से नहीं, बल्कि मानवीय सहायता और आपदा राहत में उनकी संवेदनशीलता से भी है। उन्होंने कहा कि युद्ध हो, प्राकृतिक आपदा हो या मानवीय संकट, हमारे सैनिक हमेशा सेवा को सर्वोपरि रखते हैं। दरअसल, लखनऊ के कमांड हॉस्पिटल में एक अलग 'डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री मेडिसिन' की स्थापना हो रही है। इस अवसर पर बुधवार को रक्षा मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिक दुनिया के कुछ सबसे जटिल क्षेत्रों में, सबसे कठिन मौसम में तैनात रहते हैं। सियाचिन की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर रेगिस्तान की कड़ी धूप तक में तैनात, हमारे

जवानों को कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में सेना के जवानों के समक्ष संक्रामक रोग, गर्मी और ठंड से होने वाली चोटें, अधिक ऊँचाई से जुड़ी बीमारियां, थकान, पोषण संबंधी चुनौतियां, निर्जलीकरण तथा कई और भी तरह की समस्याएं सामने आती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह नया विभाग इन सभी परिचालन परिस्थितियों के लिए चिकित्सा प्रोटोकॉल विकसित करेगा। आज आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बहुत तेजी से बदल रहा है।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जंतर-मंतर की तर्ज पर आंदोलन

रांची में हजारों छात्रों ने निकाली संविधान यात्रा

एजेंसी

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, विसंगतियों और लंबित मांगों को लेकर बुधवार को राजधानी रांची में हजारों अभ्यर्थी सड़क पर उतर आए।

अभ्यर्थियों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से 'संविधान यात्रा' निकाली और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने तुरंत निर्णय नहीं लिया तो स्टेडियम परिसर को दिल्ली के जंतर-मंतर की तर्ज पर स्थायी आंदोलन स्थल बनाते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। शाम करीब चार बजे शुरू हुई संविधान यात्रा में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए।

यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए तेज बारिश के कारण मार्च रुका, लेकिन बारिश हल्की पड़ते ही प्रदर्शनकारी फिर एकजुट होकर अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़

गए। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। इनमें 'जेपीएससी छात्रों के साथ खिलवाड़ बंद करो', 'उत्पाद सिपाही भर्ती में सेटिंग-गेटिंग बंद करो', 'जेपीएससी सीट का दाम बताओ, हम पैसा जुटा रहे हैं', 'हेमंत सोरेन इस्तीफा दो' और 'जेपीएससी-जेएसएससी पर जवाबदेही तय करो' जैसे नारे लिखे थे। अभ्यर्थियों का कहना था कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लंबित मांगों पर ठोस निर्णय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम को स्थायी आंदोलन स्थल बनाया जाएगा। उनके अनुसार आज से ही सैकड़ों अभ्यर्थी वहां अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे और आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। संविधान यात्रा के कारण राजधानी के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। कचहरी चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। इसका असर मेन रोड, रेडियम रोड और लालपुर रोड तक देखा गया, जहां वाहन धीमी गति से चलते रहे। देर शाम तक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी रहा और उनकी आगे की रणनीति पर सभी की नजर बनी हुई है।

घर लौटे सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके

बोले- इरादे बदले बिना सुधार संभव नहीं, मांगें नहीं मानीं तो करेंगे बड़ा आंदोलन

एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार 37 दिनों तक चले लंबे संघर्ष और विरोध-प्रदर्शन के बाद अपने गृह नगर छत्रपति संभाजीनगर लौट आए हैं। घर वापसी पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि इस लंबे संघर्ष के बाद वे आखिरकार शांति से सो सकेंगे और अब वे अपने सामान्य जीवन में लौटने की उम्मीद करते हैं। 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक' (Public E&amination - Prevention of Unfair Means Amendment Bill) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिजीत दीपके ने प्रशासनिक प्रक्रिया की कमियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा–देश में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं, लेकिन जब तक लोगों और व्यवस्था के इरादों में सुधार नहीं होगा, तब तक कुछ भी नहीं बदला जा सकता। पेपर लीक मामले की त्वरित सुनवाई के लिए बनी फास्ट–ट्रैक कोर्ट की पहली ही सुनवाई सीबीआई काउंसिल (CBI Counsel) की गैरहाजिरी के कारण स्थगित कर दी गई। अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि छात्रों के हक की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विरोध–प्रदर्शनों के दौरान छात्रों पर दर्ज की गई सभी एफआईआर (FIR) वापस नहीं ली जाती हैं, तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे।

बुर्ज खलीफा की ऑनलाइन बुकिंग अब यूपीआई से

भारतीय यात्रियों को बड़ी सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। अब भारतीय यात्री यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करके एट द टॉप, बुर्ज खलीफा की ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं। इसके साथ ही यह मशहूर पर्यटन स्थल यूएई का पहला ऐसा आकर्षण बन गया है, जिसने ई-कॉमर्स ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई पेमेंट स्वीकार करना शुरू किया है। यह जानकारी बुधवार को एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने दी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनआईपीएल ने बताया कि यह सुविधा 'नियोपे' और 'एमार एंटरटेनमेंट' के साथ साझेदारी में शुरू की गई है। अब भारतीय पर्यटक यूएई जाने से पहले ही बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यूपीआई से टिकट और दूसरे अनुभवों की बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए वे अपने यूपीआई वाले किसी भी पेमेंट ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह नई सुविधा एनआईपीएल और नियोपे की पहले से चल रही साझेदारी का ही विस्तार है।

बारिश से दिल्ली पानी-पानी

दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई। इसके चलते मेट्रो स्टेशन और कई सड़कों पर पानी भर गया, 36 पेड़ गिर गए। वाटरलॉगिंग की 136 शिकायतें दर्ज की गईं।

उत्तराखंड में भारी बारिश, छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर विपक्ष ने मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है।

पिछले 10 सालों में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई हैः सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि भारतीय रेलवे में सुरक्षा में काफी सुधार हुआ है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 हो गई है, और चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई हैं। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'कॉन्सिक्वेंशियल एक्सीडेंट इंडेक्स' (प्रति मिलियन ट्रेन-किलोमीटर दुर्घटनाएं) 2014-15 में 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 हो गया है, जो लगभग 91 प्रतिशत की कमी है। रेल मंत्रालय के बयान में उन कई उपायों और निवेशों का जिक्र किया गया, जिनसे ट्रेन संचालन में सुरक्षा बेहतर हुई है। सुरक्षा से जुड़े कामों पर खर्च लगातार बढ़ा है। यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपए हो गया है। 6,671 स्टेशनों पर सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशन वाले इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए गए हैं और इन सभी स्टेशनों पर पूरी तरह से ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा दी गई है। सुरक्षा

बढ़ाने के लिए 10,395 लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट्स पर इंटरलॉकिंग की सुविधा दी गई है। बयान में आगे कहा गया है कि सभी लोकोमोटिव में विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस लगे हैं, और कोहरे वाले इलाकों में लोको पायलटों को जीपीएस-बेस्ड फॉग सेफ्टी डिवाइस दिए गए हैं। जब कोहरे के मौसम में विजिबिलिटी कम होती है, तो क्रू को आगे के सिग्नल के बारे में अलर्ट करने के लिए इलेक्ट्रिफाइड इलाकों में सिग्नल से दो ओएचई मास्ट पहले मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड दिए गए हैं। कमियों का पता लगाने और खराब रेल को समय पर हटाने के लिए रेल की अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) टेस्टिंग, साथ ही लंबी रेल बिछाना, एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग का इस्तेमाल कम करना और रेल के लिए बेहतर वेल्डिंग टेक्नोलॉजी अपनाना, सेफ्टी बढ़ाने वाली दूसरी कोशिशों में से हैं।

राजस्थान में मानसून का कहरः जयपुर में सड़कें जलमग्न

धौलपुर में बाजार डूबे | 22 जिलों में येलो अलर्ट

जयपुर(एजेंसी) राजस्थान में बुधवार को मानसून ने रफ्तार पकड़ ली। राजधानी जयपुर समेत राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ। जयपुर में दोपहर के समय करीब 35 मिनट तक हुई तेज बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए, जबकि धौलपुर जिले के राजाखेड़ा कस्बे में बाजारों और निचले क्षेत्रों में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के 22 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और कहा है कि 2 अगस्त तक सक्रिय मानसून बना रहेगा। विभाग के अनुसार 30 और 31 जुलाई को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर में तेज बारिश के चलते टोंक रोड, रामबाग, परकोटा क्षेत्र (चारदीवारी), अजमेरी गेट, 22 गोदाम और सी–स्कीम समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया। जगतपुरा रोड पर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने बस स्टॉप पर रुककर बारिश थमने का इंतजार किया।

दांता तालुका के आंगनवाड़ी सेंटर्स में आने वाला न्यूट्रिशनल खाना खुली सड़क पर पड़ा दिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। के दांता तालुका के तहत इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट स्कीम ICDS के बेनिफिशियरीज को दिए जाने वाले न्यूट्रिशनल खाने, यानी THR और सत्व आटा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के गंभीर आरोप सामने आए हैं। जागरूक लोगों से मिली जानकारी और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों के मुताबिक, दांता तालुका के आंगनवाड़ी सेंटर्स में आने वाला न्यूट्रिशनल खाना खुली सड़क पर पड़ा दिखा। ऐसा लग रहा है जैसे यह मात्रा कुत्तों को फेंक दी गई हो। इससे साफ है कि गरीब और जरूरतमंद बच्चों और मांओं के हक का अनाज लूटा जा रहा है।

पहले भी हो चुकी है शिकायत

गौरतलब है कि ऐसी शिकायत पहले भी हो चुकी है। इससे पहले आंगनवाड़ी का स्टॉक दूसरे तालुका ले जाते हुए पकड़ा गया था और उस समय मीडिया में इसकी खबरें भी छपी थीं। लेकिन, प्रशासन की तरफ से आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हो गए हैं। इस गड़बड़ी की वजह से गरीब बच्चों के पोषण के लिए सरकार की तरफ से भेजा गया खाना भी बीच में ही खाया जा रहा है, जो बहुत निंदनीय और शर्मनाक है। लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन और एक हाई-लेवल टीम इस पूरे मामले को गंभीरता से ले और इसकी पूरी जांच करे। जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाए। इसके साथ ही, यह भी मांग की गई है कि पोषण आहार बांटने में पारदर्शिता लाई जाए और भविष्य में ऐसी गड़बड़ियां न हों, इसके लिए सख्त मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया जाए।

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स अमेंडमेंट बिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश में पेपर लीक की लगातार हो रही घटनाओं और परीक्षार्थियों के भविष्य को देखते हुए लाए गए इस अहम अमेंडमेंट बिल पर सदन में गंभीर बहस चल रही थी। बहस के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहस में हिस्सा लेते हुए सरकार की नीतियों और सरकारी सिस्टम पर सीधा हमला बोला। राहुल गांधी ने अपने हमले में कहा कि सिर्फ नए कानून या अमेंडमेंट बिल लाने से युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में पेपर लीक के लिए संगठित माफिया और सिस्टम की मिलीभगत जिम्मेदार है, जिसे मौजूदा सरकार रोकने में नाकाम रही है। बहस के दौरान राहुल गांधी की कड़ी आलोचना से नाराज सत्ता पक्ष के सांसदों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। रूलिंग पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि विपक्ष इतने गंभीर बिल पर चर्चा करने के बजाय सदन को गुमराह करने और राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। दोनों पार्टियों के बीच तीखी बहस और नारेबाजी शुरू होने से सदन का माहौल बहुत गर्म हो गया। स्पीकर को स्थिति को शांत करने के लिए सांसदों से बार-बार शांत रहने और पार्लियामेंट्री लिमिट बनाए रखने की अपील करनी पड़ी। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार पर युवाओं की आवाज दबाने का आरोप लगाया है, जबकि रूलिंग पार्टी ने राहुल गांधी के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया है और माफी की मांग की है। पेपर लीक जैसे सेंसिटिव मुद्दे पर लाए गए इस बिल के दौरान हुए हंगामे का संसद की कार्यवाही पर गहरा असर पड़ा है।

जेफरी एपस्टीन फाइल्स में सबसे बड़ा धमाका! काले कारनामों के मास्टरमाइंड और मॉडल स्काउट डेनियल सियाद,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दुनिया भर के ताकतवर और असरदार लोगों के गुनाहों का पता मानी जाने वाली 'एपस्टीन फाइल्स' में एक बड़ा धमाका हुआ है। बदनाम सेक्स ट्रैफिकर जेफरी एपस्टीन के सबसे करीबी बाजीगर और इंटरनेशनल लेवल पर ग्लैमर इंडस्ट्री की आड़ में नाबालिगों का शोषण करने वाले नेटवर्क के मास्टरमाइंड मॉडल स्काउट डेनियल सियाद (जीन-ल्यूक ब्रुनेल डेनियल सियाद ऑर्गनाइजेशन से जुड़ा एक संदिग्ध चेहरा) की मौत ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। हाल ही में जारी हुई एपस्टीन फाइल्स, जिसने दुनिया को हिलाकर रख दिया, में डेनियल सियाद का नाम एक-दो बार नहीं, बल्कि 2000 से ज़्यादा बार आया। ग्लैमर इंडस्ट्री में यह आदमी फैशन मॉडलिंग के बहाने मासूम लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें विदेशी अरबपतियों, नेताओं और शाही परिवार के असरदार लोगों तक पहुंचाने की मुख्य कड़ी था।

क्या उसकी मौत हो गई या उसे चुप करा दिया गया

जिस समय एपस्टीन केस के कई राज खुलने वाले थे और जांच एजेंसियों की पहुंच उसके गले तक पहुंचने वाली थी, ठीक उसी समय डेनियल सियाद की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। इस घटना के बाद दुनिया भर की जांच एजेंसियों में भारी हलचल मच गई है। इंटरनेशनल मीडिया में कई सवाल उठ रहे हैं: क्या यह वाकई एक नेचुरल या आम मौत है या ताकतवर लोगों की काली करतूतों को छिपाने के लिए उसे चुप करा दिया गया है? 2000 से ज़्यादा बार फाइलों में उसका नाम आने के बावजूद उसकी सिक्योरिटी पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? सियाद के पास ऐसे कौन से बड़े राज थे जो दुनिया के ताकतवर नेताओं और अरबपतियों की गद्दी हिला रहे थे? डेनियल सियाद ग्लैमर और फैशन इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम था। वह फैशन मॉडल्स को बड़े ब्रेक देने के बहाने अपने नेटवर्क में फंसाता था और फिर उन्हें जेफरी एपस्टीन के प्राइवेट आइलैंड और खास पार्टियों में भेजता था। पता चला है कि इस नेटवर्क के पीछे ह्यूमन ट्रैफिकिंग, नाबालिगों का शोषण और अरबों डॉलर का काला धंधा चल रहा था। एपस्टीन की रहस्यमयी मौत के बाद, उसके सबसे खास साथी का इस तरह अचानक दुनिया से चले जाना यह साबित करता है कि इस केस की जड़ें बहुत गहरी और भयानक हैं। क्या सियाद की मौत ने कई राज हमेशा के लिए दफन कर दिए हैं या इस जांच में कोई और चौंकाने वाला धमाका होगा, इस पर अब पूरी दुनिया की नज़रें हैं।

यही वो इंसान है जिसने तुम्हें गोली मारी, उसी ने तुम्हें मारा : देश की पॉलिटिक्स में बड़ा धमाका

अमित शाह पर राहुल गांधी के गंभीर आरोपों के बाद सियासी संग्राम तेज, दोनों दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर राहुल गांधी के बयान ने बढ़ाई राजनीतिक तल्खी

राहुल गांधी के अमित शाह पर कड़े और गंभीर आरोप!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की पॉलिटिक्स में एक बार फिर बड़ा भूचाल आया है। कांग्रेस के सीनियर लीडर और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के होम मिनिस्टर अमित शाह पर अब तक का सबसे जानलेवा और कड़ा हमला किया है। एक पब्लिक इवेंट के दौरान राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह पर निशाना साधते हुए बहुत गंभीर आरोप लगाए, कहा, 'यही वो इंसान है जिसने तुम्हें गोली मारी, उसी ने तुम्हें मारा। ' राहुल गांधी के इस विवादित और आक्रामक बयान के बाद देश की पॉलिटिक्स में भारी हंगामा मच गया है। BJP और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं और दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग अपने चरम पर पहुंच गई है।

पॉलिटिकल गर्मी राहुल गांधी के सीधे आरोप से दिल्ली कांपी

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में बिना किसी झिझक के अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए रूलिंग पार्टी और होम मिनिस्टर के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी के इस बोल्ड और जानलेवा बयान से BJP खेमे में काफी गुस्सा है, वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता इस बयान के बाद आक्रामक हो गए हैं।

BJP का पलटवार: 'बेबुनियाद और सस्ती राजनीति का नमूना '

BJP ने भी राहुल गांधी के इन गंभीर आरोपों का कड़ा विरोध किया है। BJP के सीनियर नेताओं ने राहुल गांधी के इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदाराना, गैर-संवैधानिक और नफरत फैलाने वाला बताया है। BJP प्रवक्ताओं ने पलटवार करते हुए कहा, 'राहुल गांधी के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वह देश के गृह मंत्री के खिलाफ ऐसी आपत्तिजनक और बेबुनियाद भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें देश की जनता और गृह मंत्री से माफी मांगनी चाहिए। '

'महनगर मेट्रो' एनालिसिस: आने वाले दिनों में राजनीति और भी गरमाएगी

हाल ही में राहुल गांधी के इस बयान ने पूरे देश में काफी चर्चा बटोरी है। सोशल मीडिया से लेकर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में बस यही बयान गूंज रहा है। इन गंभीर आरोपों के बाद साफ संकेत मिल रहे हैं कि संसद से लेकर सड़क तक राजनीतिक संघर्ष तेज होगा।

धानी मीडिया ग्रुप के एडिटर पवन माकन ने गुरु पूर्णिमा के पावन मौके पर मां अंबा के चरणों में शीश नवाया

लगातार 17 वर्षों से हर पूर्णिमा पर अंबाजी धाम पहुंचकर निभा रहे हैं भक्ति की परंपरा

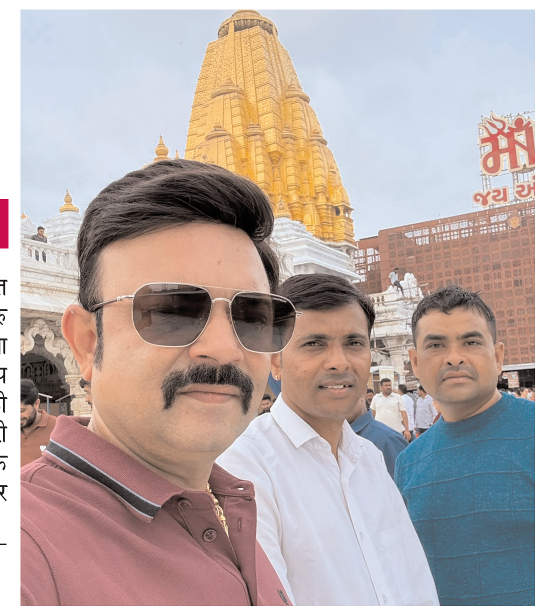

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अंबाजी / अहमदाबाद। आज, पवित्र गुरु पूर्णिमा के पावन और शुभ दिन पर, दुनिया भर में मशहूर तीर्थस्थल अंबाजी में भक्ति और आस्था का एक अलौकिक संगम देखने को मिला। इस खास मौके पर, धनी मीडिया ग्रुप के एडिटर श्री पवन माकन मां अंबा के निजी मंदिर पहुंचे और माताजी के भावपूर्ण दर्शन किए और मां अंबा का आशीर्वाद लिया।

दुनिया भर के लोगों ने मां अंबा के चरणों में दुनिया की भलाई के लिए प्रार्थना की

गुरु पूर्णिमा के पावन मौके पर माताजी के दर्शन करने के बाद, पवन माकनजी ने सभी भक्तों और देशवासियों के लिए मां अंबा के चरणों में प्रार्थना की। अपनी इच्छा जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, 'जगत की मां सभी भक्तों और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करें और सभी के जीवन से दुख, परेशानी और परेशानियां दूर करें और सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।' 17 साल से अटूट आस्था: हर पूनम को मां अंबा के दरबार में हाजिरी पवन माकनजी की अंबाजी धाम के प्रति श्रद्धा बहुत गहरी और पुरानी है। वे पिछले 17 सालों से लगातार हर पूनम को मां अंबा के दर्शन के लिए अंबाजी मंदिर आते रहे हैं। 17 सालों से चल रही यह रेगुलर पूनम यात्रा मां अंबा के प्रति उनकी अपार आस्था, लगन और भक्ति का एक बेहतरीन उदाहरण है। गुरु पूर्णिमा के दिन, उन्हें गुरु और मां अंबा दोनों का आशीर्वाद पाकर खुद को धन्य महसूस हुआ। मंदिर परिसर में उनकी मौजूदगी और मां के प्रति उनकी गहरी आस्था देखकर, दूसरे भक्तों में एक अनोखी ऊर्जा और भक्ति का संचार हुआ।

AK-47 से गुजरात को दहलाने की बात; क्या कीर्ति ने तीसरा खाता खोलकर पुलिस को दी चुनौती?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोशल मीडिया पर अक्सर विवादों में रहने वाली और अपने भड़काऊ बयानों के लिए मशहूर कीर्ति पटेल एक बार फिर विवादों के भंवर में फंस गई हैं। भले ही साइबर क्राइम और पुलिस ने कार्रवाई की और उसके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर रोक लगा दी, सोशल मीडिया पर उसकी नई रीलों के वायरल होने से हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में कीर्ति पटेल पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने 'गुजरात को एके-47 से खड़ा करने' जैसा सनसनीखेज बयान दिया है.

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या कीर्ति पटेल ने तीसरा नया खाता खोलकर पुलिस और कानून प्रवर्तन को सीधे तौर पर चुनौती दी है?

1. वायरल रील में ऐसा क्या है जो विवाद का कारण बना?

साइबर पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद कीर्ति पटेल के मुख्य अकाउंट ब्लॉक कर दिए गए। लेकिन हाल ही में उनकी नई रील्स और वीडियो क्लिप एक नए इंस्टाग्राम हैंडल से स्ट्रीम हो रही हैं। इस वीडियो में वह काफी आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं और उन्होंने विरोधियों के साथ-साथ सिस्टम पर भी निशाना साधा है. गुजरात में एके-

47 जैसे घातक हथियारों का जिक्र कर सनसनीखेज भाषा के इस्तेमाल को लेकर आम नागरिकों और सोशल मीडिया यूजर्स में आक्रोश देखा जा रहा है.

2. अकाउंट ब्लॉक होने के बावजूद वीडियो कैसे बाहर आ गए?

पुलिस और आईटी अधिनियम के अनुसार, जब किसी विवादित प्रभावशाली व्यक्ति का खाता प्रतिबंधित या अवरुद्ध किया जाता है, तो उस प्रोफ़ाइल से कोई नई सामग्री पोस्ट नहीं की जा सकती है। इस मामले में दो संभावनाएँ उत्पन्न होती हैं: हालाँकि, जैसा कि नए वीडियो में संदर्भ हाल का प्रतीत होता है, पुलिस ने इस नए सोशल मीडिया हैंडल के आईपी पते और स्थान का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

3. क्या यह कानून और पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती है?

इससे पहले गुजरात पुलिस और साइबर सेल भी सोशल मीडिया पर धमकाने, धमकाने या अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने वालों पर सख्त नजर रख चुकी है. कीर्ति पटेल के खिलाफ पहले भी कई पुलिस शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं. ऐसे में अकाउंट ब्लॉक होने के बाद भी इस तरह भड़काऊ बयान देना कानूनी दृष्टि से बेहद गंभीर मामला माना जाता है. नई एफआईआर और गिरफ्तारी की संभावना: यदि वीडियो नया पाया जाता है और शांति भंग करने या कानून को हाथ में लेने का प्रयास दिखाया जाता है, तो पुलिस द्वारा नई कानूनी कार्रवाई (एफआईआर) शुरू की जा सकती है। नए खाते पर स्थायी प्रतिबंध: साइबर अपराध मेटा/इंस्टाग्राम को लिखकर इस नई आईडी और संबंधित आईपी पते को स्थायी रूप से ब्लॉक करने के लिए आगे बढ़ेगा। सबकी निगाहें इस पर हैं कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और लाइक पाने के लिए कानूनी सीमा लांघने वाले प्रभावशाली लोगों के खिलाफ पुलिस अब किस तरह सख्त कार्रवाई करती है।

CBI हीरो अवतार में: NEET-UG पेपर लीक में 20,000 पेज की चार्जशीट, 92 जगहों पर छापे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के करोड़ों युवाओं और स्टूडेंट्स के भविष्य से समझौता करने वाले NEET-UG पेपर लीक स्कैंडल में, सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए पेपर लीक माफिया के कमरतोड़ नेटवर्क को पूरी तरह से तोड़ दिया है। CBI इस हाई-प्रोफाइल केस में एक्शन मोड में आ गई है और पूरे देश में छापे मारकर डॉक्युमेंट्री सबूतों के साथ एक चार्जशीट पेश की है, जिसमें ऐसी चालें हैं जो कोर्ट में भी सवाल खड़े कर देंगी।

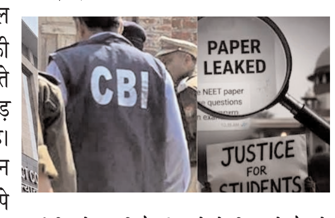

20,000 पेज की मेगा-चार्जशीट और 92 जगहों पर बड़े पैमाने पर छापे

CBI की स्पेशल टीमों ने इंटर-स्टेट पेपर लीक सिंडिकेट का पर्दाफाश करने के लिए देश भर में 92 अलग-अलग जगहों पर एक साथ छापे मारे। इस सर्च ऑपरेशन के दौरान, एजेंसी ने डिजिटल सबूत, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और क्वेश्चन पेपर लीक के पक्के सबूत जब्त किए हैं। जांच के बाद CBI ने कोर्ट में 20,000 से ज़्यादा पेज की एक बड़ी चार्जशीट फाइल की है, जिसमें पेपर लीक की साज़िश कहाँ रची गई, क्वेश्चन पेपर कैसे लीक हुआ और किन माफियाओं ने कितने करोड़ रुपये इकट्ठा किए, इन सबकी काली करतूतें खुल गई हैं। इस सनसनीखेज मामले में CBI ने अब तक साज़िश के मुख्य साज़िशकर्ताओं, सेटर और बिचौलियों समेत 13 हाई-प्रोफाइल आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। एजेंसी की इस तेज़ कार्रवाई से देश भर में चल रहे एजुकेशन माफिया नेटवर्क में खलबली मच गई है। CBI की इस तेज़ और बहादुरी भरी कार्रवाई ने लाखों परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों में न्याय की उम्मीद जगा दी है। सेंट्रल एजेंसी ने साफ संकेत दिया है कि एजुकेशन सिस्टम में रुकावट डालने वाले किसी भी ब्लैकमेलर को बख्शा नहीं जाएगा।

उमरगाम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानव सेवा का अनोखा यज्ञ 1500 से ज़्यादा ज़रूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाई गई

वलसाड प्रशासन और धर्मार्थ संगठनों की अनोखी पहल: बाढ़ पीड़ितों को राशन, कपड़े और 850 से ज़्यादा स्कूल यूनिफॉर्म बांटी गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वलसाड। वलसाड ज़िले के उमरगाम तालुका में हाल ही में आई बाढ़ ने बहुत बड़ी तबाही मचाई। बाढ़ का पानी कम होने के बाद, बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानव सेवा का एक अनोखा यज्ञ शुरू हो गया है। सरकारी प्रशासन और धर्मार्थ लोगों के मिले-जुले प्रयासों से हज़ारों बाढ़ पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचाने का महान काम किया गया है।

13 वार्डों में 1500 से ज़्यादा बाढ़ पीड़ितों तक मदद पहुंची

उमरगाम तालुका के अंकलास, नागवास और ज़रोली बाढ़ प्रभावित गांवों में बाढ़ ने आम ज़िंदगी अस्त-व्यस्त कर दी थी। इस मुश्किल समय में, ज़िला सूचना कार्यालय की टीम, स्थानीय प्रशासन और स्थानीय वॉलंटियर्स ने राहत काम का बीड़ा उठाया। इन इलाकों की 13 झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 1500 से ज़्यादा ज़रूरतमंद बाढ़ पीड़ितों तक सीधे राहत का सामान पहुँचाया गया।

राहत के सामान में क्या-क्या बाँटा गया?

जिन परिवारों ने बाढ़ के पानी में अपना घर और कीमती सामान खो दिया था, उन्हें फिर से बसाने के लिए ये राहत

का सामान पहुँचाया गया

अनाज और राशन किट: रोज़ाना इस्तेमाल होने वाली खाने की चीज़ें और सूखा नाश्ता। **कपड़े और साफ़ पानी:** पहनने के लिए कपड़े और बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए साफ़ पीने का पानी।

बच्चों के लिए यूनिफ़ॉर्म: बाढ़ की वजह से बच्चों की पढ़ाई पर असर न पड़े, यह पक्का करने के लिए 850 से ज़्यादा नई स्कूल यूनिफ़ॉर्म बाँटी गईं।

बाढ़ प्रभावित लोगों ने शुक्रिया अदा किया

मुश्किल समय में तुरंत घर-घर पहुँची इस मदद को देखकर बाढ़ प्रभावित गाँव वाले इमोशनल हो गए। स्थानीय बाढ़ पीड़ितों ने इस समय पर मिली मदद के लिए गुजरात सरकार, ज़िला प्रशासन और चैरिटेबल संस्थाओं का दिल से शुक्रिया अदा किया।

अभिजीत दीपक ने चेतावनी दी स्टूडेंट्स पर पुलिस एक्शन बंद करो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पूरे देश में गरमागरम हो चुके हृश्वश्वञ्ञ पेपर लीक कांड और परीक्षार्थियों के11 भविष्य को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच देश की राजनीति और स्टूडेंट आंदोलन और गरमा गया है। स्टूडेंट लीडर अभिजीत दीपक ने सरकार और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन को खुली चेतावनी दी है कि शांति से विरोध कर रहे बेगुनाह स्टूडेंट्स पर हो रही पुलिस एक्शन तुरंत बंद की जाए, नहीं तो आने वाले दिनों में पूरे देश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पर लीक का विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरे स्टूडेंट्स पर दर्ज केस को लेकर हर तरफ से दबाव बढ़ रहा है। बिहार और महाराष्ट्र सरकारों के बाद अब पश्चिम बंगाल सरकार ने भी बड़ा फैसला लेते हुए विरोध कर रहे स्टूडेंट्स पर दर्ज सभी केस वापस लेने का ऑफिशियल ऐलान कर दिया है। पॉलिटिकल जानकारों के मुताबिक, युवाओं और स्टूडेंट्स के बढ़ते गुस्से को देखते हुए राज्य सरकारें बैकफुट पर आ रही हैं और अपनी इमेज सुधारने के लिए एक्शन वापस ले रही हैं।

क्या है पूरा विवाद और मांगें?

पुलिस का दमन बंद हो: प्रदर्शन कर रहे युवाओं और स्टूडेंट लीडर्स पर लाठीचार्ज या केस करने की पॉलिसी से बहुत ज़्यादा नाराज़गी है।

फेयर जांच की मांग: पेपर लीक माफिया और मुख्य साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी सज़ा हो लेकिन बेकसूर स्टूडेंट्स को टारगेट न किया जाए।

देश भर में आंदोलन की धमकी: अगर जल्द ही कोई सही हल नहीं निकला और स्टूडेंट्स के खिलाफ एक्शन नहीं रोका गया तो देश भर के एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स में विरोध प्रदर्शन तेज किए जाएंगे।

एक तरफ NEET पेपर लीक केस में सुप्रीम कोर्ट और जांच एजेंसियां एक्टिव हैं, वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर उतरे युवाओं के भविष्य का सवाल अब देश का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है।

संक्षिप्त न्यूज

9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को मौत तक उम्रकैद, 6.35 लाख जुर्माना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। निकोल क्षेत्र में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में स्पेशल POCSO कोर्ट ने दोषी को आखिरी सांस तक उम्रकैद और ?6.35 लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को मुआवजे के रूप में देने का आदेश दिया। मामले में पुलिस की जांच और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया।

गुजरात में 3 साल में 1,899 छात्र-छात्राओं ने की आत्महत्या, कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर डॉ. मनीष दोशी ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और बढ़ते मानसिक दबाव को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2022 से 2024 के बीच गुजरात में 1,899 छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की, जिनमें 1,024 छात्राएं शामिल हैं। उनके अनुसार औसतन हर दो दिन में तीन विद्यार्थियों ने अपनी जान गंवाई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, बेरोजगारी और महंगी कोचिंग व्यवस्था के कारण युवा मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। डॉ. दोशी ने कहा कि पेपर लीक केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों युवाओं और उनके परिवारों के सपनों की चोरी है। कांग्रेस ने मांग की कि पेपर लीक और भर्ती घोटालों के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र शुरू हों, निजी कोचिंग की फीस पर नियंत्रण लगाया जाए तथा भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए।

पीपलज में नए श्मशान गृह की सुरक्षा दीवार गिरी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर जिले के पीपलज गांव में लाखों रुपये की लागत से बने नए श्मशान गृह की सुरक्षा दीवार पहली ही बारिश में भरभराकर गिर गई। श्मशान गृह का निर्माण अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था और उसका नियमित उपयोग भी शुरू नहीं हुआ था। घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया दीवार गिरने से नदी की ओर जाने वाला मुख्य रास्ता पूरी तरह मलबे से बंद हो गया, जिससे ग्रामीणों और पशुपालकों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से किए गए इस निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण पहली ही बारिश में दीवार ढह गई। लोगों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने, गुणवत्ता की जांच करवाने तथा जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन से दोषियों को ब्लैकलिस्ट करने और सरकारी धन के दुरुपयोग की जांच कराने की भी मांग उठाई गई है।

गुजरात पुलिस की पुरस्कार प्रणाली में बड़ा बदलाव, अब 148 पुलिसकर्मियों को मिलेगा DGP कमेंडेशन डिस्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात पुलिस के महानिदेशक ज्ञानेंद्र सिंह मलिक ने पुलिसकर्मियों की उत्कृष्ट सेवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नई व्यवस्था के तहत हर वर्ष दिए जाने वाले DGP कमेंडेशन डिस्क की संख्या 110 से बढ़ाकर 148 कर दी गई है। इसके साथ ही पहली बार पुलिस विभाग के सिविलियन स्टाफ के लिए 'DGP कमेंडेशन रोल' शुरू किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार वर्ष 2019 से 2026 के बीच 30 हजार से अधिक नए पुलिसकर्मियों की भर्ती, नई रेंज, जिलों और हाई-टेक यूनिट्स के गठन के बाद पुरस्कार प्रणाली का दायरा बढ़ाया गया है। अब केवल अपराध नियंत्रण ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्य, ट्रैफिक प्रबंधन, चुनाव ड्यूटी और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी पुरस्कार के लिए शामिल किया जाएगा।

जेतपुर में सक्रिय रिक्शा गैंग का पर्दाफाशः यात्रियों को बातों में उलझाकर जेब काटने वाले 4 शातिर गिरफ्तार, 1.39 लाख का माल बरामद

राजकोट रूरल LCB की बड़ी कार्रवाई, पूछताछ में तीन और वारदातों का खुलासा; मुख्य आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने जेतपुर सिटी थाना क्षेत्र में लंबे समय से यात्रियों को निशाना बना रहे एक शातिर रिक्शा गैंग का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह ऑटो रिक्शा में यात्रियों को बैठाकर बातचीत में उलझाता था और मौका मिलते ही उनकी जेब से नकदी व अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की नकदी, मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो रिक्शा सहित कुल ?1.39 लाख का मुद्देमाल बरामद किया है। यह कार्रवाई राजकोट रेंज आईजी निर्लिप्त राय और राजकोट रूरल एसपी विजय सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में एलसीबी पीआई जे.पी. राव के नेतृत्व में की गई। एलसीबी की टीम पेट्रोलिंग पर थी, तभी मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर जाल बिछाकर पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी काफी समय से अलग-अलग क्षेत्रों में इसी तरीके से वारदातों को अंजाम दे रहे थे। मामले की शुरुआत तब हुई जब जेतपुर निवासी दिनेशभाई मंगलियाभाई डामोर ने शिकायत दर्ज

कराई कि वह सरदार चौक से जेतलसर जाने के लिए रिक्शा में बैठे थे। रिक्शा में पहले से मौजूद आरोपियों ने उनसे बातचीत शुरू की और उनका ध्यान भटकाकर उनकी जेब से ?15,000 नकद चोरी कर लिए। शिकायत दर्ज होने के बाद एलसीबी ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हुसैन उर्फ दाऊद दाऊदभाई मालेक (शापर), शिवम उर्फ राजा अजयसिंह राजपूत (राजकोट), भरतभाई मुलजीभाई चंद्रपाल (राजकोट) और रवि रमेशभाई चौहान (राजकोट) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से ?1 लाख कीमत का ऑटो रिक्शा, ?20 हजार कीमत के चार मोबाइल फोन तथा ?19 हजार नकद बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने तीन अन्य चोरी की वारदातें भी कबूल कीं। उन्होंने शापर में एक यात्री की जेब से ?4,000, भुनवा गांव के पास एक यात्री से ?700 तथा जेतपुर मार्केटिंग यार्ड के पास जूनागढ़ रोड जाने वाले एक अन्य यात्री से ?15,000 चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस अब इन खुलासों के आधार पर अन्य मामलों की भी जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि गिरोह ने किन-किन जिलों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी लंबा है। भरतभाई चंद्रपाल के खिलाफ 13, हुसैन मालेक के खिलाफ 7 और शिवम राजपूत के खिलाफ 5 मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह पेशेवर तरीके से यात्रियों को निशाना बनाता था और भीड़भाड़ वाले इलाकों व बस स्टैंड के आसपास सक्रिय रहता था। इस सफल ऑपरेशन में पीआई जे.पी. राव के साथ पीएसआई आर.वी. भीमानी, एएसआई, हेड कांस्टेबल और एलसीबी की पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सार्वजनिक परिवहन में यात्रा के दौरान सतर्क रहें, अनजान लोगों की बातों में न आएं और संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य अभी फरार तो नहीं हैं और क्या इनके तार किसी बड़े चोरी गिरोह से जुड़े हुए हैं।

वडोदरा में ड्रग फ्री सिटी कैंपेन को बड़ी कामयाबीः सयाजीगंज पुलिस ने रेलवे स्टेशन से 474 ग्राम गांजे के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूर

वडोदरा। वडोदरा शहर के युवाओं को ड्रग्स की जानलेवा लत से आज़ाद कराने और ड्रग तस्करी के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे खास कैंपेन के तहत सयाजीगंज पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वडोदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 के पास 'जय माताजी' पार्किंग/फुटपाथ पर छापा मारा और एक आदमी और दो महिलाओं समेत कुल तीन आरोपियों को गैर-कानूनी गांजे के साथ गिरफ्तार किया।

घटनाक्रम और पुलिस की कार्रवाई

सयाजीगंज पुलिस टीम को खास जानकारी मिली कि वडोदरा रेलवे स्टेशन के पास बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ उतारा जा रहा है और

बेचने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 के पास जय माताजी पार्किंग और फुटपाथ एरिया में छापा मारा। पुलिस ने मौके से रुकसाना, पुष्पा और आसिफ उर्फ माहिर नाम के तीन संदिग्ध आरोपियों को घेर लिया और उन्हें कानून के तहत हिरासत में ले लिया।

गांजा सूरत से ट्रेन से लाया गया था

पुलिस की शुरुआती पूछताछ में इस काले नशे के धंधे के चौंकाने वाले तरीके का पता चला है।

साजिश का मास्टरमाइंडः आरोपी रुकसाना और पुष्पा ने आसिफ उर्फ ??माहिर को गांजा खरीदने के लिए सूरत भेजा था।

ट्रेन के ज़रिए तस्करीः आसिफ सूरत से गांजा खरीदकर ट्रेन से वडोदरा रेलवे स्टेशन पहुंचा था।

स्टेशन पर पहुंचते ही रेडः आसिफ जैसे ही स्टेशन पर उतरा और माल देने की तैयारी कर रहा था, उसी समय पुलिस ने निगरानी रखी और तीनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। ?37,040/- ज़ब्त, NDPS के तहत जुर्म दर्ज पुलिस ने आरोपियों की तलाशी ली और 474 ग्राम हर्बल नारकोटिक गांजा (अनुमानित कीमत ऋ्र. 23,700/-) के साथ-साथ दूसरे उपकरण और सामान, कुल ऋ्र. 37,040/- ज़ब्त किए। सयाजीगंज पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत जुर्म दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि वडोदरा में इतनी मात्रा में ड्रग्स किसे सप्लाई करना था और सूरत में इस नेटवर्क की जड़ें कहां तक फैली हुई हैं।

लॉकर तोड़ने वाले के साथ मिलकर बाप-बेटे ने मिलकर की चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड और गोल्ड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर से क्राइम और चोरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे राज्य के व्यापारियों और बिल्डरों को हैरान कर दिया है। सूरत के मशहूर 'नक्षत्र सेफ हाउस' से 2.67 करोड़ रुपये कीमत का 206 तोला सोना गायब होने से हड़कंप मच गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हाई-प्रोफाइल चोरी को किसी बाहरी गैंग ने नहीं, बल्कि सेफ हाउस के बाप-बेटे ने लॉकर तोड़ने वाले के साथ मिलकर अंजाम दिया है। रक्षक ही भक्षक बन गएः मास्टरमाइंड पिता-पुत्रों की साज़िश लिस जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, जिस सेफ हाउस पर लोगों ने भरोसा करके अपनी करोड़ों की कीमती ज्वेलरी और सोना रखा था, वहां एक बड़ा धोखा हुआ है। नक्षत्र सेफ हाउस के मैनेजर पिता और उसके बेटों ने अपने ही सेफ हाउस से सामान लूटने की साज़िश रची। इस साज़िश को अंजाम देने के लिए उन्होंने एक खास 'लॉकर ब्रेकर' (लॉकर तोड़ने में माहिर व्यक्ति) की मदद ली। बहुत ही चालाकी से और ऐसे तरीके से कि किसी को शक भी न हो, 206 तोला कीमती सोना चुरा लिया गया।

दो ब्रांच में लड़ाईः बिल्डर और लॉकर होल्डर की सांसें फूली

नक्षत्र सेफ हाउस की दो अलग-अलग ब्रांच में इस काले धंधे का पता चलते ही लॉकर होल्डर में भारी होड़ मच गई है। सूरत के बड़े बिल्डर, उद्योगपति और व्यापारियों ने अपनी कीमती ज्वेलरी और सोना इसी सेफ हाउस में रखा था। चोरी की खबर जैसे ही जंगल में आग की तरह फैली, बड़ी संख्या में लॉकर होल्डर्स यह देखने के लिए सेफ हाउस ब्रांचों में पहुंच गए कि उनका डिपॉजिट सेफ है या नहीं। लोगों में बहुत गुस्सा और चिंता है। पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही सूरत क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सेफ हाउस ऑपरेटर्स और लॉकर तोड़ने वाले के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अभी CCTV फुटेज, लॉगर रजिस्टर और दूसरे फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की पूरी जांच कर रही है। यह पता लगाने के लिए भी गहरी पूछताछ चल रही है कि इस चोरी में कोई और बड़ा नाम या गैंग तो शामिल नहीं है।

मीनाक्षी मंदिर की 60 करोड़ की कीमती ज़मीन हड़पी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। खबर मिली है कि साउथ इंडिया में आस्था के प्रतीक, दुनिया भर में मशहूर मदुरै मीनाक्षी अम्मन मंदिर की करोड़ों रुपये की कीमती ज़मीन पर लैंड माफियाओं ने काली नज़र डालकर बड़ा घोटाला किया है। कागज़ों में हेरफेर करके झूठे और झूठे डॉक्यूमेंट्स के आधार पर मंदिर की लगभग ?60 करोड़ की ज़मीन हड़पने की एक भयानक साज़िश का पर्दाफ़ाश हुआ है। इस मामले में पुलिस ने 19 लैंड माफियाओं और बिचौलियों के खिलाफ लाल आँख से केस दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की है। मिली जानकारी के मुताबिक, मदुरै के मीनाक्षी मंदिर ट्रस्ट और तमिलनाडु हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स डिपार्टमेंट की करोड़ों रुपये की ज़मीन पर लैंड माफिया की नज़र काफी समय से थी।

फर्जी डॉक्यूमेंट्स का खेलः आरोपियों ने रेवेन्यू एडमिनिस्ट्रेशन की आंखों में धूल झोंककर और नकली पेपर्स बनाकर मंदिर की ज़मीन को अपने या अपने रिश्तेदारों के नाम पर दिखा दिया था।

करोड़ों की ज़मीन हड़पीः करीब ?60 करोड़ की मार्केट वैल्यू वाली इस पवित्र ज़मीन को हड़पने और इसे बेचने या कमर्शियल इस्तेमाल करने का खतरनाक प्लान बनाया गया था। ब यह गंभीर मामला मंदिर एडमिनिस्ट्रेशन और एडमिनिस्ट्रेशन के ध्यान में आया, तो डॉक्यूमेंट्स की पूरी जांच की गई। जांच के दौरान, पेपर्स पूरी तरह से नकली और फ्रॉड पाए जाने पर पुलिस से संपर्क किया गया। पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लिया और स्कैम में शामिल 19 मुख्य आरोपियों के खिलाफ नकली डॉक्यूमेंट्स बनाने, फ्रॉड करने और गैर-कानूनी कब्जे की कोशिश करने के आरोप में गंभीर धाराओं में FIR दर्ज की। पुलिस ने यह भी जांच शुरू कर दी है कि क्या इस स्कैम में एडमिनिस्ट्रेशन के कोई लोकल अधिकारी शामिल हैं। इस घटना के सामने आने के बाद भक्तों और लोकल लोगों में काफी गुस्सा है। लोग मांग कर रहे हैं कि आस्था के केंद्र मीनाक्षी मंदिर की एक-एक इंच जमीन से गैर-कानूनी कब्जे हटाए जाएं और सभी 19 स्कैम करने वालों को जेल भेजा जाए। पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन ने साफ चेतावनी दी है कि सरकारी या धार्मिक संस्थाओं की जमीन हड़पने वाले किसी भी ठग को बख्शा नहीं जाएगा।

वडोदरा में गलत साइड ड्राइविंग ने ले ली मासूम स्टूडेंट की जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की वजह से हुए एक और दिल दहला देने वाले और गंभीर सड़क हादसे की खबर सामने आई है। पुल पर एक खतरनाक मोड़ के पास हुए भयानक एक्सीडेंट में एक्टिवा ड्राइवर स्टूडेंट तृप्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जिससे उसके परिवार में दुख की लहर दौड़ गई।

खतरनाक मोड़ और गलत साइड ओवरटेकिंग ने आंख में काला कर दिया

मिली जानकारी के मुताबिक, यह एक्सीडेंट पूरी स्पीड से आ रही तस्त्र्क्लष्ट वोल्वो बस और एक्टिवा के बीच हुआ। घटना के समय एक्टिवा सवार स्टूडेंट तृप्ति पुल पर एक बहुत ही खतरनाक मोड़ के पास गलत साइड से ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। उसी समय, एक्टिवा और उल्टी दिशा से आ रही वोल्वो बस के बीच भयानक एक्सीडेंट हो गया। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि स्टूडेंट को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को खबर दी।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग कितनी महंगी पड़ सकती है?

इस बुरी घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि ट्रैफिक नियमों को नज़रअंदाज़ करना, खासकर रॉन्ग साइड ड्राइविंग, कितना खतरनाक हो सकता है। जल्दबाजी और लापरवाही के एक पल ने एक होनहार स्टूडेंट के उगते सूरज को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। पुलिस मौके पर पहुंची, मृतक स्टूडेंट तृप्ति की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया और कानूनी जांच की। लोकल लोगों में ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है।

लोकसभा में राहुल गांधी के 50 मिनट के भाषण से हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। आज दिल्ली के पार्लियामेंट हाउस में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान पहले कभी नहीं हुआ हंगामा और गरमागरमी देखने को मिली। देश में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए लाए गए बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 50 मिनट तक दिए गए गरमागरम भाषण ने पार्लियामेंट हाउस को हिलाकर रख दिया। जैसे ही राहुल गांधी ने चर्चा के दौरान सरकार पर हमला करते हुए 'बेवकूफ' और 'अंधभक्त' जैसे विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया, सदन में सत्ता पक्ष के नेता भारी विरोध के साथ सामने आ गए। बहस के दौरान, स्पीकर और रूलिंग पार्टी ने राहुल गांधी की असंसदीय और सख्त भाषा पर कड़ी आपत्ति जताई

स्पीकर की कड़ी चेतावनीः सदन की मर्यादा बनाए रखने के लिए, लोकसभा स्पीकर ने राहुल गांधी को उनके भाषण के दौरान एक या दो बार नहीं बल्कि 11 बार टोककर पार्लियामेंट्री भाषा का इस्तेमाल करने की हिदायत दी। किरेन रिजिजू का पलटवार पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर किरेन रिजिजू ने खुद खड़े होकर राहुल गांधी को 7 बार टोका और आरोप लगाया कि विपक्षी नेता अपने संवैधानिक पद की गरिमा भूल रहे हैं और सदन के सदस्यों और देश के नागरिकों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिजिजू ने जोरदार मांग की कि राहुल गांधी देश और सदन से बिना शर्त माफी मांगें।राहुल गांधी ने अपने 50 मिनट के भाषण में पेपर लीक मामले पर सरकार की नाकामियों पर कड़े हमले किए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य खतरे में है और सरकार विपक्ष की आवाजों को दबाने की कोशिश कर रही है। दूसरी तरफ, रूलिंग पार्टी के MPs वेल में आकर नारे लगाने लगे और राहुल गांधी के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना बताया। दोनों पार्टियों के बीच भारी नोकझोंक से सदन का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। पेपर लीक जैसे बहुत ज़रूरी बिल पर चर्चा करने के बजाय, इस बयानबाजी और हंगामे की वजह से संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई।

राजकुमार जाट केस में हाई कोर्ट का सख्त रुखः CCTV जांच के आदेश, क्या गणेश गोंडल केस अब CBI के पास जाएगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गोंडल। गुजरात हाई कोर्ट ने विवादित और विवादित राजकुमार जाट केस में बहुत सख्त रुख अपनाया है, जिससे पूरे राज्य की राजनीति और पुलिस फोर्स में भारी हंगामा मचा हुआ है। हाई कोर्ट ने इस केस में CCTV फुटेज की पूरी और सटीक जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने एक बहुत ही संवेदनशील सवाल उठाया है कि कोई भी व्यक्ति एक ही रात में 52 किलोमीटर की दूरी नंगे कैसे चल सकता है? हाई कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने सभी CCTV फुटेज और सबूतों की ठीक से जांच नहीं की, तो गणेश गोंडल और राजकुमार जाट केस की जांच तुरंत CBI (सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) को सौंप दी जाएगी। राजकुमार जाट केस में हाई कोर्ट ने ... एक ही रात में 52 किलोमीटर की दूरी नंगे कैसे चल सकता है? राजकुमार जाट केस में CCTV जांच और पर्यावरण से जुड़े सवालों का बवंडर राजकुमार जाट के साथ हुई कथित घटना के बाद सामने आई दलीलों पर हाई कोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं 52 किलोमीटर का रहस्यः एक रात में 52 किलोमीटर बिना कपड़ों के चलना कितना प्रैक्टिकली और फिजिकली मुमकिन है?

पुलिस जांच पर सवालः क्या लोकल पुलिस कहीं नरम रवैया दिखा रही है? क्या CCTV में कुछ सुराग छिपाने या नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की गई है?

पब्लिक बहसः क्या जयराजसिंह के दबदबे के बीच

CBI जांच मुमकिन होगी?गोंडल की पॉलिटिक्स में पूर्व MLA जयराजसिंह जडेजा और उनके परिवार का असर जगजाहिर है। इस हाई-प्रोफाइल केस से गणेश गोंडल का नाम जुड़ा है, जिससे लोगों और सोशल मीडिया पर कई चर्चाएं हुई हैं। अब आम नागरिकों और एनालिस्ट्स द्वारा पूछा जा रहा बड़ा सवाल यह है कि जब तक गोंडल में जयराजसिंह जडेजा का पॉलिटिकल दबदबा है, क्या लोकल पुलिस या कोई दूसरी एजेंसी निष्पक्ष जांच कर पाएगी? या जब हाई कोर्ट के आदेश पर CBI केस अपने हाथ में लेगी तो सब कुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा? हाई कोर्ट की धमकी से स्कैमर्स और क्रिमिनल्स चुप हो गए हाई कोर्ट के इस रुख से एक बात तो साबित हो गई है कि कानून और कोर्ट की नज़र में कोई भी रोक-टोक ज़्यादा नहीं है। अगर लोकल पुलिस की जांच में कोई लापरवाही या भेदभाव दिखा, तो CBI की एंट्री तय है। अब सबकी नज़रें पुलिस की तरफ से पेश की जाने वाली CCTV जांच रिपोर्ट और हाई कोर्ट के आने वाले सख्त आदेशों पर हैं।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

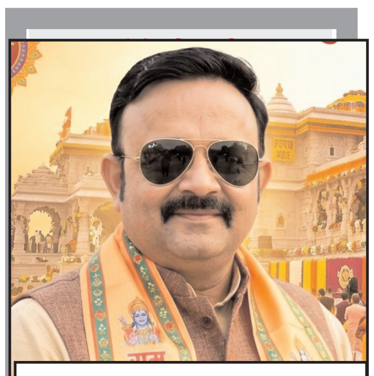

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो।

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी

असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दशार्या। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

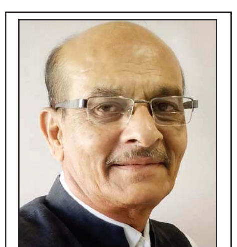

सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

चचेरे भाई-बहन में प्यार, कोर्ट मैरिज और फिर दर्दनाक अंत कानपुर में पत्नी का गला घोंट मांग में भरा सिंदूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। बर्रा इलाके में एक प्रेम विवाह का दर्दनाक अंत सामने आया है. यहां एक युवक ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद फांसी लगाकर जान दे दी. घटना के बाद कमरे में पत्नी का शव फर्श पर मिला, जबकि युवक का शव पंखे से लटका हुआ था. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. घटना बर्रा-7 के एसएस ब्लॉक की है, जहां दंपती कुछ दिन पहले ही किराए के मकान में रहने आए थे. पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवक ने पत्नी की गला दबाकर हत्या की और इसके बाद खुद आत्मघाती कदम उठा लिया. हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी. फोरेंसिक टीम ने जब कमरे की जांच की तो वहां जमीन पर सिंदूर फैला हुआ मिला. पास में सिंदूर की डिब्बी भी पड़ी थी. महिला की मांग सिंदूर से भरी हुई थी और युवक के हाथ-पैर पर भी सिंदूर के निशान मिले. पुलिस को आशंका है कि पत्नी की हत्या के बाद युवक ने उसकी मांग में सिंदूर भरा और फिर खुद फंदे से लटक गया. मृतकों की पहचान सचेंडी थाना क्षेत्र के कला का पुरवा गांव निवासी 22 वर्षीय सौरभ सविता उर्फ टोनी और 18 वर्षीय रानी उर्फ शालिनी के रूप में हुई है. पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों के बीच करीब तीन साल से प्रेम संबंध थे. रिश्ते में दोनों चचेरे भाई-बहन लगते थे. परिवार की नाराजगी के बावजूद दोनों ने करीब तीन महीने पहले घर छोड़कर कोर्ट मैरिज कर ली थी. इसके बाद वे दिल्ली में रह रहे थे. करीब पांच दिन पहले दोनों कानपुर लौटे और बर्रा-7 स्थित एक होजरी कारोबारी के मकान की तीसरी मंजिल पर किराए का कमरा लेकर रहने लगे थे. मंगलवार दोपहर मकान की दूसरी मंजिल पर रहने वाली एक बुजुर्ग महिला छत पर कपड़े सुखाने गई थीं. इसी दौरान उनकी नजर कमरे के रोशनदान से अंदर पड़ी. कमरे में पंखे से युवक का शव लटका देखकर वह घबरा गईं और तुरंत मकान मालिक को सूचना दी मकान मालिक ने पुलिस को जानकारी दी.

रविदास जयंती पर समरसता यात्रा काशी से पंजाब तक दलित वोट साधने का BJP प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। गुरु पूर्णिमा के दिन संत रविदास की 650वीं जयंती के मौके पर बीजेपी ने मिशन-2027 को फतह करने की मजबूत इबारत लिखती नजर आई है. बीजेपी ने बुधवार को संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से 'समरसता संकल्प अभियान' की शुरुआत कर एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक संदेश देने का प्लान बनाया है. रविदास जयंती पर सात महीने के लिए समरसता संकल्प यात्रा शुरू कर रही है. बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और सीएम योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी में बीजेपी नेता वाराणसी में जुटेंगे और संत रविदास के जन्मस्थान की मिट्टी को 131 कलशों में भरकर पूरे देश में ले जाएंगे. बीजेपी की इस 'समरसता संकल्प यात्रा' का समापन बीस फरवरी 2027 को होगा, जब यूपी और पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका होगा. माना जा रहा है कि संत रविदास के जरिए बीजेपी ने दलित समुदाय तक पहुंचने के लिए सात महीने का अभियान तैयार किया है. इस तरह बीजेपी का फोकस यूपी और पंजाब सहित 2027 में होने वाले सात राज्यों के चुनाव में साधने का प्लान है. संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से शुरू हो रही संकल्प अभियान में रविदासी सन्त भी शामिल होंगे. 27 राज्यों से आए प्रतिनिधियों का महासंगम भी होगा. बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन संत रविदास मंदिर में मत्था टेकने और कांस्य प्रतिमा पर पुष्पार्चन के बाद शुरू हुई सभा से 131 पवित्र कलशों के माध्यम से 'समरसता संकल्प अभियान' की शुरुआत करेंगे, जिसका मकसद संत रविदास जी के समानता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है.

मना किया तो पति के खाने में मिलाया जहर, हरदोई से सामने आई सनसनीखेज वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में शादी के महज सात महीने बाद एक नवविवाहिता पर अपने जीजा से अवैध संबंधो के चलते पति को खाने में जहर देने का आरोप लगा है. खुद पीड़ित ने पत्नी पर खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है. युवक का यह भी दावा है कि उसकी पत्नी के अपने दो सगे साढ़ुओं से अवैध संबंध थे और उन्हीं की साजिश पर उसे जहर देकर मारने की कोशिश की गई. पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर घटना के 21 दिन बाद पत्नी समेत तीन लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस के अनुसार, बिलग्राम थाना क्षेत्र के धांधामऊ के रहने वाले 28 वर्षीय संगम कुमार की शादी 24 नवंबर 2025 को कानपुर निवासी एक लड़की से हुई थी. संगम का आरोप है

मूक-बधिर मां की साड़ी में लगी आग, चपेट में आई इकलौती बेटी की मौत; चीख भी नहीं पाई, वीडियो कॉल कर मांगी मदद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। जिले के देपालपुर इलाके से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दूसरा जन्मदिन मनाने के ठीक अगले दिन किचन में लगी अचानक आग की चपेट में आने से दो साल की एक मासूम बच्ची की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बच्ची की मूक-बधिर मां भी गंभीर रूप से झुलस गई है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना देपालपुर तहसील के कुंगरा गांव की है। सोमवार सुबह काजल नाम की महिला किचन में खाना बना रही थी, तभी अचानक उनकी साड़ी में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पास ही खड़ी उनकी दो साल की बेटी सृष्टि भी उसकी चपेट में आ गई।

मूक-बधिर होने के कारण नहीं लगा पाई चीख

परिजनों ने बताया कि हादसे से कुछ मिनट पहले ही काजल की अपनी मां से वीडियो कॉल पर बात हुई थी, जिसमें छोटी बच्ची सृष्टि उनकी गोद में बैठी थी। हादसे के वक्त मूक-बधिर होने के कारण काजल मुंह से चिल्लाकर मदद नहीं मांग पाई। सूझबूझ दिखाते हुए उन्होंने तुरंत अपनी मां को फोन पर वीडियो कॉल किया, जिनका नंबर उनके फोन पर आसानी से उपलब्ध था। वीडियो कॉल पर आग का भयानक मंजर देखते ही परिवार वाले तुरंत उनके घर दौडे। सोमवार सुबह देपालपुर के कुंगरा गांव में हुआ हादसा दूसरा जन्मदिन मनाने के अगले दिन ही बेटी की मौत खाना बनाते वक्त मूक-बधिर महिला की साड़ी में लगी आग वीडियो कॉल के जरिए मां को दी गई थी हादसे की सूचना प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम ने तोड़ा दम 50 प्रतिशत तक झुलसी मां, वेंटिलेटर पर चल रहा इलाज अस्पताल में चल रहा मां का इलाज घटना के बाद मां और बेटी दोनों को इंदौर के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दंपती की इकलौती संतान छोटी सृष्टि ने दम तोड़ दिया। वहीं, करीब 50 प्रतिशत झुलस चुकी काजल का अस्पताल में इलाज जारी है। परिजनों को अंदेशा है कि गैस पाइपलाइन में आग लगने से यह हादसा हुआ होगा। राजेंद्र नगर पुलिस ने जीरो FIR दर्ज कर मामला देपालपुर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है, जो इस पूरे मामले की जांच कर रही है। डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि महिला अभी वेंटिलेटर पर है और पुलिस परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज कर रही है।

'आज से हमारी बेटी मर गई...' लव मैरिज के बाद फैमिली ने तस्वीर जलाई, निभाईं अंतिम संस्कार की रस्में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। ये कहानी मध्य प्रदेश के उज्जैन की है. एक बेटी ने अपनी मर्जी से इंटरकास्ट लव मैरिज कर ली. परिवार इस बात के खिलाफ था. बेटी से नाराज परिजनों ने उसे जिंदा होते हुए भी मृत मान लिया. समाज और रिश्तेदारों की मौजूदगी में बेटी की तस्वीर का प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया गया, फोटो जलाया गया और उससे सभी रिश्ते खत्म करने का ऐलान कर दिया. बेटी के जन्म पर जिस घर में खुशियां मनाई गई थीं, उसी घर में उसकी तस्वीर के सामने लोग बैठे थे. फर्क सिर्फ इतना था कि इस बार कोई जन्मदिन नहीं मनाया जा रहा था. तस्वीर के सामने रस्में हो रही थीं, लोग रो रहे थे, और कुछ देर बाद उस तस्वीर को आग के हवाले कर दिया गया. यह किसी की मौत का मातम नहीं था. जिसकी तस्वीर जलाई जा रही थी, वह जिंदा है. मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के खाचरौद नगर के नरसिंह मंदिर क्षेत्र से सामने आई इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है. यहां एक परिवार ने अपनी जीवित बेटी का प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार कर उससे सारे रिश्ते खत्म करने का ऐलान कर दिया. परिजनों के मुताबिक, उनकी बेटी कोमल प्रजापत ने परिवार की मर्जी के खिलाफ अंतरजातीय प्रेम विवाह कर लिया. परिवार ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी. मामला थाने तक पहुंचा. आरोप है कि थाने में भी कोमल ने अपने माता-पिता और भाइयों को पहचानने से इनकार कर दिया. यही बात परिवार को सबसे ज्यादा आहत कर गई. इसके बाद परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसकी पूरे इलाके में चर्चा हो रही है. रिश्तेदारों और समाज के लोगों को बुलाया गया. आंगन में बेटी की तस्वीर रखी गई. उसके सामने 'गोरनी' की रस्म शुरू हुई. फिर तस्वीर को जलाकर प्रतीकात्मक दाह संस्कार किया गया. इसके बाद वे तमाम रस्में निभाई गईं, जो आम तौर पर किसी व्यक्ति की मौत के बाद की जाती हैं. मौके पर मौजूद परिवार के लोग भावुक भी नजर आए. परिजनों का कहना था कि उन्होंने बेटी को बड़े प्यार और संघर्ष के साथ पाला था. लेकिन प्रेम विवाह के बाद रिश्ते इस मुकाम पर पहुंच गए कि अब उनके लिए वह बेटी जीवित होकर भी मृत समान है. इसलिए आज से उसका परिवार से किसी भी तरह का संबंध नहीं रहेगा. युवती की बहन ने कहा कि परिवार का यह फैसला उन लड़कियों के लिए एक मैसेज है, जो बिना परिवार की सहमति के घर छोड़ देती हैं और बाद में अपने माता-पिता से भी रिश्ता तोड़ लेती हैं. वहीं भाई ने भी कहा कि परिवार ने बहन को काफी समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी.

अस्पताल में भर्ती प्रेमी से मिलने पहुंची प्रेमिका, इमरजेंसी वार्ड में ही करने लगी Kiss, जांच के आदेश

महोबा के जिला अस्?पताल में घरवालों ने नवल किशोर को भर्ती कराया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। यूपी के महोबा जिला अस्पताल का एक वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। जहर खाकर अस्पताल पहुंचे प्रेमी से मिलने इमरजेंसी वार्ड में पहुंची प्रेमिका की हरकतों से अन्य तीमारदार असहज हो गए। दोनों के बीच मेल-मिलाप का घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सीएमएस ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के सेला गांव निवासी नवल किशोर ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। घरवालों ने तत?काल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान युवक की प्रेमिका उससे मिलने अस्पताल पहुंची। दोनों का मिलन चर्चा का विषय बन गया।

अन्य मरीज और तीमारदार हो गए असहज

अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रेमी और प्रेमिका की मुलाकात के समय वहां मौजूद अन्य मरीज और तीमारदार असहज हो गए। इस घटना से जुड़ा वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने अस्पताल की सुरक्षा और वार्ड के निगरानी की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। लोग प्रेमी-प्रेमिका के वार्ड में किए गए कृत्य को अस्पताल की मर्यादा के खिलाफ बताया है। वीडियो को लेकर लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ सुरेश कुमार ने वीडियो सामने आने के बाद मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। उन?होंने कहा कि जांच के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने 10 पूर्व फौजियों की तैनाती की है जोकि सप्ताह में सातों दिन और चौबीस घंटे अपनी सेवाएं दे रहे हैं।'

शिवपुरी के गांव में 10-11 घंटे तक बिजली की कटौती, ग्रामीणों ने उर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर की निकाली अर्थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। जिले के सिरसौद गांव में बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अर्थी निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण बिजली कटौती से परेशान हैं। शिकायत के बावजूद सुधार नहीं हो रहा है। अमोला सिरसौद के ग्रामीणों ने बिजली की लगातार कटौती से नाराज होकर ऊर्जा मंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। गांव में अर्थी सजाकर, उसे कंधे पर लेकर पूरे गांव में जुलूस निकाला गया। इसके बाद अर्थी को हाईवे से होते हुए मुक्तिधाम ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रोजाना 10 से 11 घंटे की बिजली कटौती की जा रही है। अधिकारियों को कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी परेशानी के चलते दो दिन पहले सरपंच अतर सिंह लोधी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सिरसौद-पिछोर रोड पर चक्काजाम भी किया था। उस प्रदर्शन के बाद भी स्थिति में सुधार न होने पर बुधवार को अर्थी निकालकर विरोध जताया गया। बुधवार को सिरसौद के वृद्धाश्रम के सामने अर्थी सजाई गई। ग्रामीण अर्थी लेकर गांव की गलियों से गुजरे और बाद में श्मशान घाट पहुंचकर पेट्रोल डालकर उसका अंतिम संस्कार किया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार कटौती से खेती, पेयजल और घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

नर्मदापुरम के इटारसी में सियार का आतंक, नाला मोहल्ले में घुसकर महिलाओं और बच्चों समेत 13 लोगों को बनाया निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदापुरम। जिले के इटारसी शहर में सोमवार देर रात एक जंगली सियार ने ऐसा आतंक मचाया कि पूरी बस्ती सहम उठी। रात करीब 10 बजे अचानक एक सियार भगत सिंह नगर के नाला मोहल्ला इलाके में घुस आया और रास्ते में मिले लोगों पर ताबड़तोड़ हमले करने शुरू कर दिए। इस अप्रत्याशित हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कुल 13 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। इस हमले में सबसे ज्यादा गंभीर रूप से घायल 54 साल की कौशल्या बाई प्रजापति हैं, जिनके चेहरे और जबड़े पर सियार ने गहरे जख्म दिए हैं। उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके घावों पर टांके लगाए। वहीं, अन्य ज्यादातर पीड़ितों के पैरों और कमर पर सियार ने अपने नुकीले दांतों से काटा है।सियार के इस खौफनाक हमले का शिकार होने वालों में कौशल्या बाई के अलावा सलमान शाह, अभिषेक पाल, इजराइल शाह, अनूप बरखाने, शकील अहमद, दौलत प्रसाद, 10 साल का अभय प्रजापति, महेंद्र साहू, सिमरन मौर्य, बृजेश सिंह, 14 साल का अतीक अहमद और सोनू शामिल हैं। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि सभी घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार, एंटी-रेबीज के टीके और ड्रेसिंग देने के बाद ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

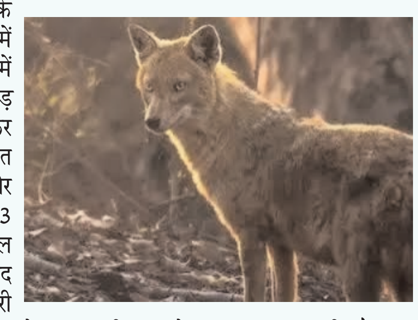

सोमवार रात करीब 10 बजे नाला मोहल्ले में घुसा सियार, अचानक हुए हमले में 13 लोग बुरी तरह हुए जख्म, 54 वर्षीय कौशल्या बाई के चेहरे और जबड़े पर गंभीर चोट,10 साल के बच्चे अभय और 14 साल के अतीक पर भी हमला , सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में दी गई एंटी-रेबीज वैक्सीन, वन विभाग और पुलिस टीम जंगली जानवर की तलाश में जुटी, प्रशासन ने दी सतर्क रहने की सलाह,घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। अधिकारियों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है ताकि उस खतरनाक जानवर को पकड़ा जा सके। वन विभाग ने स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और जब तक जानवर पकड़ा नहीं जाता, रात के समय अकेले बाहर न निकलने की हिदायत दी है।

IAS रिंकू सिंह उरई नगर पालिका की जांच समिति से हटाए गए, जानिए डीएम ने क्यों लिया ये फैसला?

जालौन में एसडीएम के पद से हटाकर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) उरई बनाया गया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। उत्तर प्रदेश के में अपनी कार्यशैली और सख्त प्रशासनिक रवैये के कारण आईएएस रिंकू सिंह फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक कोल्ड स्टोर पर की गई छापेमारी के बाद जिले की सियासत गरमा गई थी। इसके बाद हुए प्रशासनिक फेरबदल में उन्हें जालौन के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) पद से हटाकर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) उरई की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

इधर, उरई नगर पालिका परिषद में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच को लेकर भी रिंकू सिंह राही का नाम लगातार चर्चा में बना हुआ है। नगर पालिका के कई सभासदों ने डीएम से मांग की थी कि नगर पालिका में कथित वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए। इसके लिए रिंकू सिंह राही को जांच अधिकारी बनाया जाए। सभासदों का मानना था कि उनकी सख्त कार्यशैली और निष्पक्ष छवि के चलते जांच प्रभावी ढंग से हो सकेगी।

वर्तमान एसडीएम का नाम समिति में शामिल

हालांकि, जालौन एसडीएम के पद से ट्रांसफर होने के बाद जांच समिति में उनके पदेन सदस्य के रूप में बने रहने की स्थिति समाप्त हो गई। इसके बाद डीएम कार्यालय ने जांच समिति में संशोधन करते हुए उनकी जगह वर्तमान एसडीएम जालौन राकेश कुमार सोनी को सदस्य नामित कर दिया।

कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए बनी है समिति

गौरतलब है कि 18 जून, 2026 को नगर पालिका परिषद उरई में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। इसमें तत्कालीन एसडीएम जालौन रिंकू सिंह राही पदेन सदस्य थे। अब उनकी जगह एसडीएम राकेश कुमार सोनी पदेन सदस्य के रूप में जांच समिति में कार्य करेंगे, जबकि समिति के अन्य सदस्य यथावत बने रहेंगे।

विकास कार्यों की जांच का मामला

सूत्रों के अनुसार, नगर पालिका परिषद उरई में विभिन्न विकास कार्यों, वित्तीय लेनदेन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं की शिकायतों को लेकर जांच की जा रही है। ऐसे में समिति में किया गया यह बदलाव जांच प्रक्रिया की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उधर, नगर पालिका परिषद उरई के अधिशासी अधिकारी (ईओ) रामअचल कुरील और रिंकू सिंह राही के बीच पहले से चली आ रही तनातनी को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर जांच समिति में बदलाव को सामान्य प्रक्रिया बताया जा रहा है।

मुंबई के 5 हाई-प्रोफाइल क्लबों के फूड लाइसेंस रद्द, स्नष्ठ की जांच में मिला एक्सपायर्ड फूड और गंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पांच प्रमुख और हाई-प्रोफाइल क्लबों में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के नियमों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने उनके एफएसएसएआई लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं.एक अन्य क्लब को बिना लाइसेंस काम करने पर तुरंत परिचालन बंद करने का आदेश दिया गया है. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने सोमवार को मुंबई के पांच प्रमुख क्लबों के FSSAI लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं. FD ने इन क्लबों की जांच के दौरान फूड सेफ्टी और साफ-साफाई के निमयों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर ये कार्रवाई की है. जांच में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, आरके जूहू जिमखाना, द अपर्णा जुहू जिमखाना, एमआईजी क्रिकेट क्लब और द विलिंगडन स्पोर्ट्स क्लब में कॉकरोच, गंदगी, एक्सपायर्ड खाना और कीटों का प्रकोप पाया गया. इसके अलावा मालाड वेस्ट स्थित गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब को बिना वैध लाइसेंस के काम कर रहा था, जिसे जांच टीम ने तुरंत काम बंद करने का

आदेश दिया. FDA ने कहा कि कई संस्थान फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और संबंधित नियमों का उल्लंघन करते पाए गए. इनमें साफ-सफाई, कीड़ों की रोकथाम (पेस्ट कंट्रोल), फूड स्टोरेज और साफ-सफाई के तरीकों में बड़ी कमियां पाई गईं. एफडीए ने अपनी कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि FDA ने 27 जुलाई को बृहन्मुंबई के सात खाद्य प्रतिष्ठानों में निरीक्षण अभियान चलाकर पांच प्रमुख संस्थानों के एफएसएसएआई लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं, जिनमें द क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया लिमिटेड, ऋ्र जुहू जिमखाना, द अपर्णा जुहू जिमखाना, स्ब्ठ्ठत्न क्रिकेट क्लब (बांद्रा ईस्ट) और द विलिंगडन स्पोर्ट्स क्लब शामिल हैं. FDA ने कहा कि पांच संस्थानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए, एक को कामकाज बंद करने का आदेश दिया गया और एक को सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया. एफडीए ने कहा कि निरीक्षण के दौरान द क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया लिमिटेड में फूड हैंडलिंग वाले इलाके में जिंदा कॉकरोच और मक्खियों का प्रकोप मिला. वहां कचरा निपटान की खराब व्यवस्था, कोल्ड स्टोरेज में रखे खाने पर पानी टपकना, बंद नालियां, सड़ी-गली सब्जियां और एक्सपायर्ड हो चुके फूड आइटम रखे मिले. इसके अलावा अधिकारियों ने सही फूड लेबलिंग न होने, FIFO/FEFO सिस्टम का पालन न करने, शाकाहारी और मांसाहारी खाना बनाने की जगहों के बीच अलग-अलग व्यवस्था न होने और क्रॉस-कंटैमिनेशन (एक खाने से दूसरे में गंदगी फैलने) के जोखिम की ओर भी इशारा किया. आरके जुहू जिमखाना में जर्जर दीवारें, साफ-सफाई की अपर्याप्त सुविधाएं, खराब ड्रेनेज सिस्टम, फूड स्टोरेज का गलत तापमान और तलने वाले तेल के इस्तेमाल का कोई रिकॉर्ड न होने जैसी कमियां मिलीं. जांच में ये भी पता चला कि खाना बनाने और परोसने वाले कर्मचारी साफ-सफाई के बुनियादी नियमों का पालन नहीं कर रहे थे. वो ग्लव्स, कैप और एप्रन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे. अपर्णा जुहू जिमखाना में खाना पकाने के उपकरण जंग लगे हुए पाए गए, कीड़ों के आने-जाने की जगहें खुली थीं, साफ-सफाई की सुविधाएं ठीन नहीं थीं और कच्चे, पके, शाकाहारी व मांसाहारी फूड आइटम को अलग-अलग रखने की सही व्यवस्था नहीं थी. FDA ने ये भी पाया कि खाने के संपर्क में आने वाले उपकरणों को ठीक से सैनिटाइज नहीं किया जा रहा था और अनिवार्य ऑडिट भी नहीं कराए गए थे. MIG क्रिकेट क्लब की जांच में पता चला कि क्लब में बिना लाइसेंस वाली तीसरी संस्था नेबुला केटरिंग सर्विसेज बिना वैध लाइसेंस के वहां काम कर रही थी. FDA ने क्लब में कीड़ों के हमले, खाने-पीने की चीज़ों को गलत तरीके से रखने, खाने और पानी की टेस्टिंग के रिकॉर्ड न होने और ट्रेंड टेक्निकल स्टाफ की कमी की भी बात कही.

CJP protest के दौरान आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों की खैर नहीं, यूजर्स की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर चले CJP protest और 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के बाद अब दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा वाले पोस्ट करने वाले कई एक्स अकाउंट्स को नोटिस भेजे हैं। इनमें कुछ न्यूज पोर्टल्स के अकाउंट भी शामिल बताए जा रहे हैं।

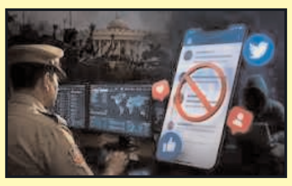

पुलिस ने एक्स से इन अकाउंट्स के पीछे मौजूद लोगों की जानकारी भी मांगी है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि आंदोलन के दौरान और उसके बाद सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में ऐसे पोस्ट, वीडियो और टिप्पणियां सामने आईं जिनमें प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसी वजह से पुलिस ने सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ाई और अब ऐसे कंटेंट हटाने के साथ-साथ पोस्ट करने वालों की पहचान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। फिलहाल कितने अकाउंट्स को नोटिस भेजे गए हैं, इसकी आधिकारिक संख्या सामने नहीं आई है। जांच में ऐसे कई पोस्ट मिले जिनमें प्रधानमंत्री और सुरक्षाबलों के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। पुलिस का कहना है कि ऐसे कंटेंट से कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, इसलिए कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम लगातार एक्स और दूसरे प्लेटफॉर्म्स पर नजर रख रही है। आपत्तिजनक पोस्ट मिलने पर संबंधित सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस भेजकर उन्हें हटाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, कई वीडियो और पोस्ट पहले ही हटाए जा चुके हैं, जबकि नए कंटेंट की निगरानी लगातार जारी है। पहले भी फर्जी पोस्ट पर हुई थी कार्रवाई इससे पहले दिल्ली पुलिस ने दावा किया था कि उसने 400 से ज्यादा सोशल मीडिया हैंडल की पहचान की थी, जो पाकिस्तान से जुड़े बताए गए और आंदोलन से संबंधित फर्जी खबरें, अफवाहें तथा डीपफेक वीडियो फैला रहे थे। पुलिस का कहना है कि साइबर और सोशल मीडिया टीमें अब भी ऑनलाइन गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और नियमों का उल्लंघन करने वाले कंटेंट पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में घमासान, नड्डा बोले आंदोलन करना है तो जेल जाने को तैयार रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जंतर-मंतर में हाल ही में छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिसिया कार्रवाई को लेकर संसद से सड़क तक राजनीतिक घमासान मचा हुआ है. इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच एक तीखी बहस छिड़ गई है. संसद की कार्रवाई के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने पुलिस की कार्रवाई का खुलकर बचाव किया है.

राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने साफ शब्दों में कहा कि जो छात्र राजनीति या आंदोलन का रास्ता चुनते हैं, उन्हें पुलिसिया कार्रवाई और हिरासत के लिए भी तैयार रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि ये एक सामान्य प्रक्रिया है.

जेपी नड्डा ने दिया अपने पुराने दिनों का दिया हवाला

राज्यसभा में विपक्ष के तीखे हमलों का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने अपने छात्र जीवन के दिनों की कहानी सुनाई. उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौरान वे खुद एक छात्र नेता थे. उन्हें दो बार क्लास से सीधे गिरफ्तार किया गया था. नड्डा ने कहा कि कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस जो भी कदम उठाती है, वह बिल्कुल सही है. आंदोलन के दौरान हिरासत में लिया जाना कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह सामान्य है. यह सालों से होता चला आ रहा है. दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस दौरान भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया. खड़गे ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में देश का लोकतंत्र सुरक्षित नहीं है. विपक्ष की साफ मांग है कि देश के गृह मंत्री अमित शाह इस पुलिसिया कार्रवाई पर संसद में आकर खुद जवाब दें. इसके साथ ही विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस पूरे घटनाक्रम पर माफी मांगने की मांग की है

10 हजार की शिकायत, खुल गया करोड़ों का साइबर फ्रॉड, बैंक मैनेजर समेत 6 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने 10 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की शिकायत की जांच करते हुए देशव्यापी म्यूल बैंक अकाउंट सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए मैनेजर समेत 10 आरोपियों पर कार्रवाई की है। इसमें 6 को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 4 को बाउंड डाउन किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक आरोपी बैंक का मैनेजर है, जबकि बाउंड डाउन किए गए चारों एक प्राइवेट बैंक के अधिकारी हैं। गिरोह के भंडाफोड़ के बाद बरामद 248 बैंक खातों के जरिए 70 करोड़ से अधिक के लेन-देन का पता चला है। ये खाते देशभर के 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज 156 साइबर ठगी की शिकायतों से जुड़े पाए गए, जिनमें करीब 20 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी। अब तक 56 लाख की राशि फ्रीज की जा चुकी है। जांच में पता चला कि गिरोह के तार दुबई और ब्रिटेन तक जुड़े हैं। भारत में फरार सरगना और यूएई में बैठे मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। 4 लोगों को किया गया बाउंड डाउन, ये चारों एक प्राइवेट बैंक के अधिकारी इस गिरोह के ब्रिटेन और दुबई तक जुड़े हुए हैं तार, मास्टर माइंड की है तलाश 3-4 साल से सक्रिय था सिंडिकेट डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि यह गिरोह पिछले 3 से 4 वर्षों से भारत के अलावा दुबई और ब्रिटेन में सक्रिय साइबर ठगों को कॉरपोरेट करंट बैंक अकाउंट उपलब्ध करा रहा था। मामले में सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक के मैनेजर कुंदन कुमार को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इंडसइंड बैंक के चार अधिकारियों/सहयोगियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई (बाउंड डाउन) की गई है। पुलिस ने गिरोह से 248 बैंक अकाउंट किट, 38 सिम कार्ड, 22 मोबाइल फोन, 28 फर्जी कंपनी की मुहरें, 55 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, 1 लाख कैश और एक मारुति ब्रेजा कार बरामद की है। डीसीपी ने बताया कि पटेल नगर के पंजाबी बस्ती निवासी एक पीड़ित ने शिकायत दी थी कि जॉब के नाम पर 10 हजार रुपये की ठगी हुई है। जांच के दौरान पता चला कि ठगी की रकम का एक हिस्सा 'डेमियन ट्रेडर्स' नाम की फर्जी फर्म के करंट अकाउंट में पहुंचा था। डिजिटल प्रोफाइलिंग के जरिए पुलिस पहले मोहित सोनी तक पहुंची, जिसे 8 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ।

महाराष्ट्र सरकार के धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत आठ हजार पेड़ काटे जाएंगे।

क्या 8000 पेड़ काटे जाएंगे? धारावी प्रोजेक्ट के लिए पेड़ हटाने का प्रस्ताव अथॉरिटी को सौंपा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत आठ हजार पेड़ काटे जाएंगे। हालांकि बीएमसी की योजना धारावी इलाके में मौजूद खुली जगहों पर 30,000 पेड़ फिर से लगाने की है। इस मामले से जुड़ा एक प्रस्ताव मंगलवार को 'ट्री अथॉरिटी' की बैठक में पेश किया गया। इसके अलावा धारावी पुनर्वास प्रोजेक्ट की वजह से हुए पेड़ों के नुकसान की भरपाई के लिए पालघर जिले में भी पेड़ लगाए जाएंगे।

धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार

धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत धारावी में रहने वाले पात्र झुग्गी-झोपड़ी निवासियों को 'स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी' के जरिए मुफ्त घर दिए जाएंगे। लगभग 3,50,000 अपात्र झुग्गी-झोपड़ी निवासियों को किराए पर घर उपलब्ध कराए जाएंगे। शुरू में इन लोगों को दूसरी जगह बसाने के लिए मुंबई में ही कुछ जगहों पर विचार किया

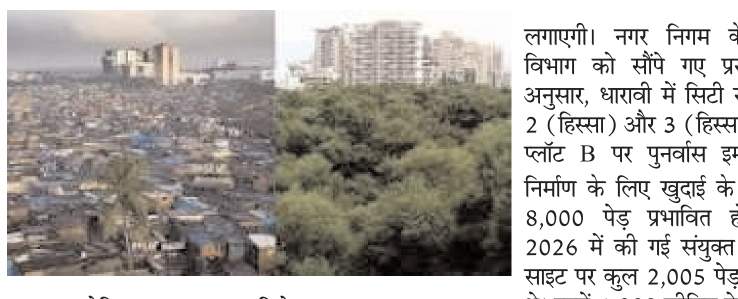

गया था, लेकिन इस कदम का विरोध हुआ। अब जबकि प्रोजेक्ट तेजी पकड़ रहा है। इस प्रक्रिया में धारावी इलाके के पेड़ प्रभावित हो रहे हैं।

पहले फेज में कितने पेड़ होंगे प्रभावित

धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के पहले चरण में 1,693 पेड़ प्रभावित होंगे। इनमें से 871 पेड़ काटे जाएंगे। जबकि 822 पेड़ दूसरी जगह लगाए जाएंगे। मुआवजे के तौर पर कंपनी ने नगर निगम को एक लिखित वादा (अंडरटेकिंग) दिया है कि वह पालघर जिले के चहाडे गांव में 90 एकड़ जमीन पर स्थानीय प्रजातियों के 22,904 पेड़ लगाएगी। नगर निगम के गार्डन विभाग को सौंपे गए प्रस्ताव के अनुसार, धारावी में सिटी सर्वे नंबर 2 (हिस्सा) और 3 (हिस्सा), सब-प्लॉट B पर पुनर्वास इमारतों के निर्माण के लिए खुदाई के काम से 8,000 पेड़ प्रभावित होंगे। मई 2026 में की गई संयुक्त जांच में साइट पर कुल 2,005 पेड़ पाए गए थे। इनमें 1,998 जीवित पेड़ और 7 उखड़े हुए पेड़ शामिल थे। मंजूर की गई योजना के मुताबिक, प्रोजेक्ट के काम में बाधा बन रहे 1,693 पेड़ों को हटाने का प्रस्ताव दिया गया है। कंपनी की ओर से दिए गए लिखित वादे के अनुसार, पेड़ काटे जाने के 15 दिनों के भीतर 22,904 नए पेड़ लगाए जाएंगे। मुंबई नगर निगम के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स, साथ ही प्राइवेट रीडेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की वजह से कुल 1,443 पेड़ प्रभावित होंगे। इनमें से 902 पेड़ों को सीधे काटा जाएगा, जबकि 541 पेड़ों को दूसरी जगह लगाया (ट्रांसप्लांट) जाएगा।

दिल्ली में पानी चोरी और बिना बिलिंग पर बड़ी कार्रवाई, 30 लाख अवैध कनेक्शन होंगे रेगुलर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पानी की किल्लत और जल बोर्ड के घाटे को दूर करने के लिए सरकार ने एक बहुत बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है. बुधवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि राजधानी में इस समय 30 लाख से भी ज्यादा कस्टमर बिना किसी बिल के दिल्ली जल बोर्ड का पानी इस्तेमाल कर रहे हैं. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में बिजली के कनेक्शन 60 लाख से ज्यादा हैं. वहीं जल बोर्ड के रजिस्टर्ड ग्राहकों की संख्या महज 30 लाख है. इसका सीधा मतलब यह है कि आधी दिल्ली में पानी का इस्तेमाल बिना किसी रिकॉर्ड या अवैध तरीके से हो रहा है. आम जनता की भी लंबे समय से शिकायत रही है कि पानी का मीटर होने के बावजूद हर महीने उनका बिल समय पर नहीं आता. इस पूरी व्यवस्था को सुधारने के लिए सरकार अब जमीनी स्तर पर काम करने जा रही है. सरकार ने इस इस व्यवस्था को पूरी तरह बदलने का फैसला किया है. इसके लिए 3 प्राइवेट एजेंसियों को काम सौंपा गया है, जो अगले 6 महीनों के अंदर पूरी दिल्ली में श्व-चङ्घ्रष्ट का काम पूरा करेंगी. ये एजेंसियां न सिर्फ हर घर का वेरिफिकेशन करेंगी, बल्कि पानी के मीटर की रीडिंग लेने और समय पर बिल भेजने की जिम्मेदारी भी इन्हीं की होगी. खास बात यह है कि इस बार कंपनियों को परफॉर्मेंस बेस्ड पेमेंट दी जाएगी, यानी जैसा काम होगा, वैसा ही पेमेंट मिलेगा. पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पानी के आने और जाने के रास्तों पर आधुनिक मीटर लगाए जाएंगे जिससे पता चल सके कि कितना पानी साफ हुआ और कितना सप्लाई किया गया. दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि इस महा-अभियान को पूरा करने के लिए सरकार ने 700 लोगों की एक विशेष वर्कफोर्स तैयार करने का फैसला लिया है. उन्हें कॉन्ट्रैक्ट पर रखा जाएगा. इस नौकरी में उन युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी जो स्स्ष्ट-ष्टत्ररु की परीक्षा में कुछ नंबरों से चूक जाते हैं.

मन्नत पूरी हुई तो किसी ने चढ़ाया 300 ग्राम का सोने का हार, किसी ने मुकुट... गुरुपूर्णिमा पर साईं दरबार में 1.70 करोड़ का चढ़ावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिरडी। गुरुपूर्णिमा पर महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर गुरुदक्षिणा अर्पित की. दो दिनों में मंदिर ट्रस्ट को करीब 1.70 करोड़ रुपये कीमत के सोने के आभूषण मिले हैं. इनमें दो सोने के मुकुट, दो स्वर्ण ओम और मुंबई के एक श्रद्धालु द्वारा चढ़ाया गया 300 ग्राम वजनी सोने का हार गुरुपूर्णिमा... यानी गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण का पर्व... महाराष्ट्र के शिरडी में इस मौके पर देशभर से लाखों श्रद्धालु साईं बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे. इस बार चर्चा उस गुरुदक्षिणा की भी है, जो श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में अर्पित की. यहां दो दिनों में शिरडी के साईं बाबा मंदिर में करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण चढ़ाए गए. इनमें सोने के मुकुट हैं, सोने का ओम है और एक ऐसा नक्काशीदार सोने का हार भी है, जिसकी कीमत अकेले 47 लाख रुपये है. मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, गुरुपूर्णिमा पर मुंबई के एक श्रद्धालु ने अपनी मन्नत पूरी होने के बाद साईं बाबा को 300 ग्राम वजनी नक्काशीदार सोने का हार अर्पित किया. इस हार की अनुमानित कीमत 47 लाख है. खास

बात यह है कि श्रद्धालु ने अपनी पहचान सार्वजनिक न करने के लिए कहा है, जिसे मंदिर प्रशासन ने स्वीकार किया. गुरुपूर्णिमा के दो दिनों में मंदिर को दो स्वर्ण मुकुट और दो सोने के ओम भी भेंट किए गए. इनमें एक बड़ा सोने का मुकुट 642 ग्राम, एक छोटा मुकुट 60 ग्राम और एक स्वर्ण ओम 51 ग्राम वजन का है. ट्रस्ट का कहना है कि दो दिनों में प्राप्त सभी स्वर्ण आभूषणों का कुल वजन करीब 1 किलो 53 ग्राम है साईं बाबा मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि गुरुपूर्णिमा उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की ओर से लगातार स्वर्ण आभूषण अर्पित किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि कल और आज मिले सभी स्वर्ण आभूषणों का कुल मूल्य लगभग 1.70 करोड़ है शिरडी में गुरुपूर्णिमा का पर्व हर साल विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है. देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार नकदी, सोना-चांदी और अन्य कीमती चीजें बाबा को अर्पित करते हैं. इस वर्ष भी बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए और मंदिर में चढ़ावा अर्पित किया.

पुणे के बारामती प्रेरणा स्थल उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इनवाइट करेंगे शरद पवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। बारामती में स्थित शिक्षण संस्थान 'विद्या प्रतिष्ठान' के ट्रस्टियों ने NCP प्रमुख शरद पवार से आग्रह किया है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'प्रेरणा स्थल' नाम के नए बने गुंबद का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित करें। संस्थान के प्रमुख पवार ने ट्रस्टियों को भरोसा दिलाया है कि वे प्रधानमंत्री से मिलने का समय लेंगे ताकि उनकी भावनाएं उन तक पहुंचा सकें और उन्हें निमंत्रण दे सकें। इससे पहले दिन में शरद पवार ने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के विरोधी गुटों के संभावित विलय की अटकलों को भी खारिज कर दिया। मुंबई में एनसीपी के दोनों गुटों के एक साथ आने की खबरों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा कि इसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्या प्रतिष्ठान के एक ट्रस्टी ने बताया कि संस्थान के परिसर में बने गुंबद में भगवान बुद्ध, छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, अहिल्यादेवी होल्कर और अन्नाभाऊ साठे से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई है। इस सुविधा केंद्र में एक संग्रहालय, एक ध्यान कक्ष और एक योग केंद्र भी है। ट्रस्टी ने कहा कि हम इसे 'प्रेरणा स्थल' कह रहे हैं क्योंकि इसका मकसद इन महान हस्तियों के जीवन और कार्यों के ज़रिए आने वाले लोगों को प्रेरित करना है। उन्होंने आगे बताया कि जब पवार ने हाल ही में इस प्रोजेक्ट का जायजा लेने के लिए दौरा किया था, तो ट्रस्टियों ने उनसे अनुरोध किया था कि वे इस सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने के लिए मोदी को आमंत्रित करें। ट्रस्टी ने कहा कि शरद पवार ने हमसे संस्थान की ओर से एक औपचारिक पत्र जमा करने को कहा और भरोसा दिलाया कि वह प्रधानमंत्री से मिलने का समय लेंगे। महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा ज़ोरों पर है कि NCP के दो गुट-एक शरद पवार के नेतृत्व वाला और दूसरा उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाला-फिर से एक हो सकते हैं और BJP के नेतृत्व वाले ND के साथ फिर से जुड़ सकते हैं। शरद पवार ने 22 जुलाई को नई दिल्ली में मोदी से मुलाकात की थी। इस बैठक में उनकी बेटी और बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं। यह घटनाक्रम तब हुआ जब ट्रस्टी 'प्रेरणा स्थल' के उद्घाटन के लिए अनुरोध कर रहे थे, जबकि पवार ने NCP के फिर से एक होने की खबरों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया।

नीरज बवाना गैंग के नाम पर मांग रहे थे 1 करोड़ की रंगदारी, दिल्ली पुलिस ने दो अपराधियों को पकड़ा

पश्चिमी दिल्ली के हरि नगर में एक व्यापारी से नीरज़ बवाना गैंग के नाम पर 1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले दो आरोपियों को स्पेशल स्टाफ ने मोहन गार्डन से गिरफ्तार कर लिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिमी जिला के हरि नगर थाना इलाके में रहने वाले एक व्यापारी को 1 करोड़ की रंगदारी देने की धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मामले का खुलासा स्पेशल स्टाफ ने आखिरकार कर लिया है। इस मामले में 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान मो. मोनिश और मो. असद के रूप में हुई है।

छापेमारी के बाद पकड़े गए आरोपी

डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य की देखरेख में सब-इंस्पेक्टर नरेश अहलावत और मनीष की टीम ने मोहन गार्डन इलाके में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को दबोचने में कामयाबी पाई है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल बरामद किया।

नीरज बवाना के नाम पर मांगी रंगदारी

डीसीपी ने बताया मुख्य आरोपी मो. मोनिश पहले पीड़ित व्यापारी के पास काम करता था। उसने अपने साथी असद के साथ मिलकर जल्द अमीर बनने की नीयत से नवीन बाली-नीरज बवाना गैंग के नाम का खौफ दिखाकर 1 करोड़ रुपये की व्हाट्सएप कॉल के जरिए रंगदारी मांगी थी। आरोपियों ने गफ्फार मार्केट से नया मोबाइल और सिम खरीदकर इस वारदात की साजिश रची थी। पुलिस पूछताछ कर इनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

चौदस-पूर्णिमा पर क्षेमंकरी माता मंदिर में उमड़ा आस्था का महासैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। जालोर जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगर भीनमाल स्थित प्रसिद्ध क्षेमंकरी (खीमज) माताजी मंदिर में चौदस और पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। डेढ़ सौ फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित मंदिर परिसर सुबह से ही 'जय श्री क्षेमंकरी माता' और 'जय माता दी' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। क्षेमंकरी माताजी मंदिर के वरिष्ठ पुजारी रूपराम राजपुरोहित ने बताया कि चौदस की संध्या से शुरू हुआ दर्शनों का सिलसिला पूर्णिमा के दिन चरम पर पहुंच गया। तड़के महाआरती के साथ ही माता के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। राजस्थान के विभिन्न जिलों के अलावा गुजरात और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां भगवती के दरबार में शीश नवाकर मनोकामनाएं मांगने पहुंचे। क्षेमंकरी माताजी ट्रस्ट के अध्यक्ष कोलचंद सोनी ने बताया कि पूर्णिमा के पावन पर्व पर मां क्षेमंकरी की चतुर्भुज प्रतिमा का आकर्षक एवं भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर ट्रस्ट एवं स्थानीय भक्तों की ओर से माताजी को छप्पन भोग व विशेष महाप्रसाद चढ़ाया गया। दिनभर ढोल-नगाड़ों की थाप पर भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय नो उठा। क्षेमंकरी माताजी ट्रस्ट के मैनेजर प्रदीप नगर ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और मंदिर प्रबंधन कमेटी की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पहाड़ी की सीढ़ियों पर भक्तों की सुविधा के लिए विशेष छाया व पेयजल की व्यवस्था की गई। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पहाड़ी के नीचे भारी सुरक्षा बल तैनात रहा। भामाशाह परबत प्रागाराम राजपुरोहित उनडी की ओर से महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने बताया कि मां क्षेमंकरी के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। चौदस-पूर्णिमा के इस विशेष अवसर पर मां के दर्शन मात्र से ही जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का प्रवाह होता है।

जगद्गुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज की आरती पूजन के साथ दिल्ली में मनाया गया भव्य गुरु पर्व महोत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश हिन्दू महासभा की ओर से केंद्रीय कार्यालय हिन्दू महासभा भवन, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे भगवान शिव के अभिषेक, हवन एवं पूजन से प्रारंभ होकर सायं 4:00 बजे तक चला, जिसमें देशभर के हर क्षेत्र और हर भाषा के लोगों ने भाग लिया। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व सनातन परंपरा में गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना के साथ जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के सान्निध्य में हज़ारों श्रद्धालुओं ने गुरु तत्व की महिमा का अनुभव किया। कार्यक्रम की शुरुआत में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने सर्वप्रथम चक्रेश्वर हिंदेश्वर महादेव पर पुष्प एवं जल अभिषेक किया तथा वेद व्यास जी एवं सप्तऋषियों को नमन किया। इसके पश्चात वे अपने आसन पर विराजमान हुए, जिसके बाद भक्तों ने उनका स्वागत, पूजन एवं दर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी नगर विधानसभा से विधायक एवं दिल्ली विधानसभा के सचेतक (चीफ व्हिप) श्री अभय वर्मा जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अनेक गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री अभय वर्मा जी ने अपने वक्तव्य में स्वामी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं की कृपा से वे विधायक बने, मंत्री रहे और आज सचेतक के पद पर रहकर सेवा कर रहे हैं तथा हर बार स्वामी जी का गुरु रूप में आशीर्वाद मिलता है। स्वामी जी ने उन्हें भरपूर आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अत्यंत सहज, सरल हैं तथा सदैव समाज के साथ खड़े रहते हैं। स्वामी जी ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि वे इसी प्रकार समाज की सेवा करते रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्थापक दिल्ली प्रदेश हिन्दू महासभा अध्यक्ष श्री शिवा गोस्वामी एवं महामंत्री श्री कुलदीप श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. इंदिरा तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेश रैना एडवोकेट, विधि प्रकोष्ठ संयोजक एडवोकेट उज्ज्वल कुमार तथा उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी सिंह भी उपस्थित रहीं। इसी अवसर पर एम्स कर्मिक संगठन के अध्यक्ष श्री संत कुमार जी भी स्वामी जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे। इसी क्रम में तमिलनाडु से संत महासभा के राष्ट्रीय सचिव श्री रामस्वामी जी के नेतृत्व में भरतनाट्यम की गुरुओं एवं बच्चों ने अपनी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। तमिलनाडु से पधारे भरतनाट्यम कलाकारों एवं संत महासभा के सदस्यों में श्री रामस्वामी जी, शणमुगम, महेंद्रन, रघु, किशोर कुमार, भास्कर, रामकृष्णन, उमाशंकर, जगन्नाथन, भाग्यलक्ष्मी, अंबिअप्पन, कार्तिक, डिल्लीबाबु एवं इंबरासन का नाम उल्लेखनीय है। अपने संबोधन में स्वामी जी ने कहा कि नृत्य-संगीत में परमात्मा का वास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की इस प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया, जिसे देखकर कलाकार भी अत्यंत प्रसन्न हुए तथा उपस्थित जनसमूह की उत्सुकता देखते ही बनती थी। इसके पश्चात जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज, डॉ. इंदिरा तिवारी एवं मुख्य अतिथि श्री अभय वर्मा जी ने सभी बच्चों को सम्मानित किया।

छात्रों पर बल प्रयोग कर सरकार ने गांधी के विचारों को कफन पहनाने का काम किया

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए बल प्रयोग की तीखी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों को कफन पहनाने का काम किया है। लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, पर चर्चा के दौरान डिंपल ने बीते 40 दिनों में आत्महत्या करने वाले 20 विद्यार्थियों का उल्लेख किया।

सपा सांसद डिंपल ने सवाल उठाया कि जब 2024 में इसतरह का कानून लाया गया था, तब भी प्रश्नपत्र लीक क्यों हुए? उन्होंने पेपर लीक को मोदी सरकार का षड्यंत्र या सिस्टम में परमानेंट लीकेज बताया। उन्होंने छात्रों के हौसले की सराहना की, जिन्होंने प्रशासन का डटकर मुकाबला किया और अहंकारी सरकार के आगे झुकने से इंकार किया। डिंपल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी बेटियों के कपड़े फाड़े गए, उन पर पैलेट गन चली, बच्चों के सिर कील लगे डंडों से फोड़े और बिहार में एके-47 का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने भाजपा सदस्यों पर पलटवार कर कहा कि यदि आपातकाल देखना था....तब सड़कों पर देखना चाहिए था, जब बच्चे खून बहा रहे थे। उन्होंने छात्रों को अराजक तत्व कहने वाले सांसदों की भी कड़ी आलोचना की।

वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधेयक को बिना मन से लाया गया बताकर कहा कि 2024 का कानून भी विफल रहा। उन्होंने त्वरित अदालत को भाजपा का नया जुमला करार देकर सुझाव दिया कि पेपर लीक होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कानून में पहली शर्त होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि 12 साल की भाजपा सरकार के बाद युवा पीढ़ी चौराहे पर है, और सरकार ने किसान व पहलवान आंदोलनों की तर्ज पर ही छात्र आंदोलन को दबाने के लिए अपने टूल किट का इस्तेमाल किया।

लोजपा (रामविलास) के अरूण भारती ने विधेयक का समर्थन कर पेपर लीक की सूचना देने वालों को संरक्षण और रद्द परीक्षाओं की जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद के. सी. वेणुगोपाल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और एक निष्पक्ष जांच का आदेश देने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की शर्मिला सरकार ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल के साथ-साथ पुलिस लाठीचार्ज की भी निंदा की। शिवसेना (उबाठा) के अरविंद सावंत ने जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन और छात्रों के साहस की सराहना कर लड़कियों पर हुई बर्बरता की निंदा की।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी जानकारी

-पोस्ट हटाने के साथ अकाउंट संचालकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और लॉगिन डिटेल देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एक्स को पत्र लिखकर संबंधित पोस्ट और वीडियो हटाने तथा उन्हें साझा करने वाले अकाउंट संचालकों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अकाउंट होल्डर्स के नाम, पते, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य पहचान संबंधी विवरण मांगे हैं। इसके अलावा संबंधित खातों की लॉगिन और लॉगआउट जानकारी, समय और तारीख का रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। पुलिस ने एक्स से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पोस्ट और वीडियो से जुड़ी सभी जानकारियों को भविष्य की जांच के लिए सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी जांच प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े एक वीडियो को लेकर नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने उस वीडियो को दोबारा बहाल कर दिया। दिल्ली पुलिस अब सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री के स्रोत और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान करने की दिशा में जांच आगे बढ़ा रही है।

संजय निरूपम ने कहा- प्रोफेसर वी. कामाकोटी से मांफी मांगे प्रियंका

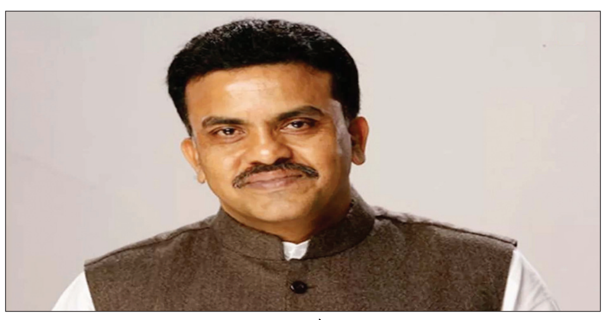

-संसद में टिप्पणी पर बढ़ा सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा घोषित परीक्षा सुधार टास्क फोर्स को लेकर नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी को टास्क फोर्स में शामिल किए जाने पर सवाल उठाने और उन्हें लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया है। प्रियंका गांधी के इस बयान की जहां सत्ता पक्ष ने तीखी निंदा की है, वहीं अब शिवसेना नेताओं ने भी उन्हें नसीहत देते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। संजय निरूपम ने आगे कहा कि भारतीय परंपराओं, आयुर्वेद और नेचरोपैथी पर शोध करने वाले विद्वानों का मजाक उड़ाना अनुचित है। उन्होंने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैज्ञानिकता की आड़ में भारतीय परंपराओं से नफरत करना सही नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रियंका गांधी को एक महान शिक्षक और वैज्ञानिक का अपमान करने के लिए प्रोफेसर कामाकोटी से माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले मॉनसून सत्र के दौरान चर्चा में हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने नई कमेटी के गठन पर सवाल उठाए थे और टास्क फोर्स के सदस्यों की योग्यताओं पर टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा था कि देश के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक पर इस तरह की टिप्पणी करना दुखद है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी अपनी बातों से लोगों को गुमराह करने और अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामियों को छिपाने का प्रयास करती हैं। वहीं, शिवसेना नेता संजय निरूपम ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर प्रोफेसर कामाकोटी की शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धियों का ब्योरा दिया। उन्होंने लिखा कि प्रोफेसर कामाकोटी आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं, आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स का नेतृत्व कर चुके हैं। वर्ष 2011 में आईआईटी की परीक्षाओं का सफल संचालन करने जैसी अनेक उपलब्धियां उनके नाम दर्ज हैं। इन्हीं योग्यताओं के आधार पर उन्हें नीट जैसी परीक्षाओं में सुधार और पारदर्शिता लाने वाली समिति में शामिल किया गया है।

देशभर में मानसून का कहर, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

--मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में रेड अलर्ट, गुजरात की फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित

-उत्तराखंड में चारधाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में मानसून अपने सबसे सक्रिय चरण में पहुंच गया है, जिससे कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले चार से छह दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से व्यापक वर्षा की संभावना बनी हुई है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अत्यधिक वर्षा की आशंका को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित बाढ़ व जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं। कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी की भी आशंका जताई गई है। भारी बारिश का असर औद्योगिक गतिविधियों पर भी दिखाई दे रहा है। गुजरात में लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र सहित आसपास स्थित कई ऑटो पार्ट्स सप्लायर इकाइयों में पानी भर गया, जिससे उत्पादन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। उद्योग जगत को आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की भी चिंता है।

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है। यात्रा मार्गों पर मलबा आने और रास्ते अवरुद्ध होने के चलते प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर चारधाम यात्रा को दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। वहीं चंपावत, बागेश्वर और टिहरी जिलों में कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को एहतियातन बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का दौर जारी रह सकता है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनईपी को नागपुर शिक्षा नीति, बिना चर्चा लागू करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। 31 जनवरी, 2026 को नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की छठी वर्षगाँठ पर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर नागपुर शिक्षा नीति बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण नीति को संसदीय चर्चा के बिना ही लागू किया गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि एनईपी 2020 पर संसद में कभी चर्चा नहीं की गई और न ही शिक्षा के केंद्रीय सलाहकार बोर्ड (सीएबीई) से मंजूरी मिली। उन्होंने मोदी सरकार पर एनईपी के तहत प्रमुख नियामक निकायों और पहलों को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि आज एनईपी की नींव हिल गई है, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की साख पूरी तरह खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जो पूर्व मंत्री इसके सबसे बड़े प्रचारक थे और जिन्होंने राज्य सरकारों पर लागू करने का दबाव डाला था, उन्हें इस्तीफ़ा देना पड़ा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीएसई) का मामला भी संसद की एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, जो ठंडे बस्ते में पड़ा है, और एनडीए सहयोगियों के विरोध के कारण बीते तीन सप्ताह में दो बार इसकी बैठकें रद्द करनी पड़ी हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने मौजूदा नीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय 1986 में शुरू की गई नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन से की। उन्होंने ज़ोर दिया कि 1986 की नीति को अपनाने से पहले संसद में उस पर विस्तार से चर्चा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली, जिन्होंने सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई।

सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से की मुलाकात

-किसानों, छात्रों और युवाओं के साझा मोर्चे की तैयारी, सरकार पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप

-छात्रों पर दर्ज मामलों की वापसी नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने आंदोलन को व्यापक सामाजिक स्वरूप देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के वरिष्ठ नेता राकेश टिकैत से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक में किसानों, छात्रों और युवाओं के साझा मंच के गठन तथा सरकार के खिलाफ संयुक्त रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को छात्र आंदोलन के अगले चरण की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

बैठक के बाद सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन को उम्मीद है कि किसान, छात्र और युवा एकजुट होकर अपने मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उनके अनुसार, शिक्षा से जुड़े सवालों के साथ-साथ किसानों और युवाओं की समस्याओं को भी अब एक साझा मंच से उठाया जाएगा, ताकि विभिन्न वर्गों की आवाज को एकजुट किया जा सके। सीजेपी ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन के दौरान केंद्र और कुछ राज्य सरकारों की ओर से दिए गए आश्वासनों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। संगठन का दावा है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों में कुछ कार्रवाई हुई है, लेकिन राजस्थान सहित कई राज्यों में अब भी छात्रों पर एफआईआर दर्ज की जा रही हैं और उन्हें प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है।

इन्हीं मुद्दों को लेकर सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से समर्थन मांगा। संगठन का कहना है कि यदि छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो किसान संगठनों और युवा समूहों के सहयोग से देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। सीजेपी का दावा है कि यह अभियान शिक्षा, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों को एक साथ उठाने का प्रयास होगा।

गौरतलब है कि जंतर-मंतर पर चले छात्र आंदोलन के दौरान भी राकेश टिकैत कई बार प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे थे और छात्रों के समर्थन में अपनी एकजुटता व्यक्त की थी। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच हुई यह बैठक छात्र और किसान संगठनों के संभावित संयुक्त अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम मानी जा रही है। हालांकि, सरकार की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के खिलाफ जमानती वारंट जारी

बजरंग दल पर की थी कथित टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पंजाब के संगरूर की एक अदालत ने जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने उन्हें 19 सितंबर 2026 तक व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। यह वारंट 15,000 रुपये का जमानती वारंट है। यदि निर्धारित तिथि तक वे अदालत में उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र-विरोधी और प्रतिबंधित संगठनों से की गई थी, जिससे संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने इस मामले में 100 करोड़ रुपये के मानहानि दावे का भी उल्लेख किया है। फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और अगली सुनवाई में अदालत खरगे की उपस्थिति तथा मामले की प्रगति के आधार पर आगे का निर्णय लेगी। यह मामला वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान से जुड़ा है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। शिकायत के अनुसार, उस समय कहा गया था कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाएगा। इसी बयान को लेकर बजरंग दल की ओर से अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस टिप्पणी से संगठन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और उसकी छवि धूमिल हुई। इसी आधार पर मानहानि का मुकदमा दायर किया गया, जिसकी सुनवाई संगरूर की अदालत में जारी है। अदालत ने इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस जारी कर पेश होने के लिए कहा था। नोटिस के बावजूद अदालत में उपस्थिति नहीं होने पर अब जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक पेश होकर उन्हें जमानत लेनी होगी, अन्यथा आगे की कानूनी कार्रवाई के तहत गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

केंद्र सरकार राजनीतिक हित के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल न करे: सीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने कहा है कि केंद्र सरकार अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकती है। सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

सीजेपी प्रवक्ता दास ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने साफ सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तुरंत वापस ली जाएं और अपने आश्वासनों पर अमल करे। सीजेपी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है, तब पुलिस को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत का रुख करना चाहिए, लेकिन इसतरह के मामलों को आधार बनाकर सभी एफआईआर को आगे बढ़ाना गलत है। उनके अनुसार, इससे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जा सकता है और सरकार को मिली इस तरह की छूट भविष्य में दुरुपयोग का कारण बन सकती है।

सौरव दास ने कहा कि युवाओं को यह स्थिति स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्र और युवा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे थे और उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। सीजेपी उन सभी प्रदर्शनकारियों के साथ मजबूती से खड़ी है, जिन्होंने अपने और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन में हिस्सा लिया। उन्होंने सरकार से प्रदर्शनकारियों से किए गए सार्वजनिक वादों को पूरा करने और एफआईआर वापस लेने सहित सभी आश्वासनों को लागू करने की अपील की, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर युवाओं में असंतोष और बढ़ सकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में लगातार चौथे सत्र में मजबूत रुख के साथ ही पांच पैसे उछलकर र 95.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को 17 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.82 पर बंद हुआ था। इससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.14 पर रहा।

फेड का वेट एंड वॉच रुख- जुलाई में ब्याज दरें यथावत रहने के आसार

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की जुलाई बैठक पर दुनियाभर के निवेशक टकटकी लगाए हुए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है, जिससे नए फेड चेयरमैन केविन वॉर्श के सामने चुनौती बढ़ गई है। वॉर्श महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की अपनी प्राथमिकता दोहरा चुके हैं। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इन सब के बावजूद फेड इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। बाजार के जानकारों के अनुसार, 28-29 जुलाई को होने वाली फेड की बैठक में ब्याज दरों को लगातार चौथी बार 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में ही रखा जा सकता है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में जारी तनाव का महंगाई पर पड़ने वाले असर को लेकर बनी अनिश्चितता है। फेड फिलहाल 'इंतजार और स्थिति पर नजर रखने' (वेट एंड वॉच) की रणनीति अपनाएगा। फेड आर्थिक आंकड़ों के आधार पर ही फैसला लेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, जीडीपी ग्रोथ अच्छी है और रोजगार बाजार भी सशक्त है। सामान्य परिस्थितियों में ऐसे मजबूत संकेत ब्याज दर बढ़ाने का दबाव बनाते हैं। हालांकि, अर्था भारत ग्लोबल मल्टीप्लायर फंड की नचिकेता सावरिकर का भी अनुमान है कि मौजूदा हालात में फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और फिलहाल प्रतीक्षा नीति पर कायम रहेगा।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्कई 225 0.49 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.08 फीसदी कमजोर रहा। वहीं, हांगकांग का हेंगसेंग 1.45 फीसदी बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख देखने को मिला। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा। डाउ जोंस 1.03 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.21 फीसदी की बढ़त रही। जबकि नेस्डेक कम्पो जिट 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएचईएल को नाइजीरिया से मिला मेगा ऑर्डर

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया में एक महत्वपूर्ण ठेका मिला है। कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी को आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति और उनकी स्थापना-चालू करने की निगरानी भी करेगी। यह ठेका कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जीता गया है और इसे अफ्रीका के सबसे बड़े डांगोटे समूह ने दिया है। इन टर्बाइन पैकेजों का विनिर्माण बीएचईएल की हैदराबाद व बेंगलुरु इकाइयों में होगा। इसमें परियोजना स्थल पर इनकी स्थापना और चालू करने की निगरानी भी शामिल है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 889 , निफ्टी 265 अंक उछला

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव घटने से भी बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 889 अंक उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 265 अंक बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 बढ़त रही। आज रियल एस्टेट के अलावा सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में बढ़त रही।

निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों को नुकसान हुआ।

निवेशकों को आज बाजार पूंजीकरण बढ़ने से एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण आज पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया।वहीं इससे पहले आज सुबह पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बाद भी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 701.41 अंक की उछाल के साथ 77,467.33 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 204 अंक चढ़कर 24,190.40 के स्तर पर पहुंच गया।

फेड बैठक से पहले सोने में गिरावट, चांदी में भी तेजी

सोने का भाव 243 रुपए टूटा, चांदी 815 रुपए उछली

नई दिल्ली ।

फेड रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक से पहले बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे, वहीं चांदी ने शुरुआती तेजी बरकरार रखी। वैश्विक बाजार में भी कमोडिटी एक्सचेंज (कॉमेक्स) पर सोने में नरमी जबकि चांदी में मजबूती देखी गई, जो आगामी मौद्रिक नीति निर्णयों के प्रति बाजार की सतर्कता को दर्शाता है। फेड रिजर्व की बैठक से पहले बुधवार को सर्राफा बाजार में उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के अगस्त वायदा अनुबंध की शुरुआत 104 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,519 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। खबर लिखे जाने तक यह 243 रुपये की कमजोरी के साथ 1,41,380 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,41,623 रुपये था। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

डीमार्ट ने शुरू किया फार्मेसी बिजनेस, दवाओं पर 20 फीसदी तक छूट

मुंबई में चुनिंदा स्टोर्स में शुरू हुआ शॉप-इन-शॉप मॉडल

मुंबई ।

रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) ने अब हेल्थकेयर सेक्टर में कदम रखा है।

अपने रोजाना कम कीमत मॉडल के लिए मशहूर यह कंपनी राधाकिशन दमानी की अगुवाई में मुंबई में फार्मेसी रिटेल बिजनेस का पायलट प्रोजेक्ट चला रही है, जहां ग्राहकों को दवाओं पर 20 फीसदी का सीधा डिस्काउंट दिया जा रहा है। यह पहल दवाओं के बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की तैयारी में है। डीमार्ट अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिफ्लेक्ट हेल्थकेयर एंड रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (आरएचआरपीएल) के माध्यम से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में शॉप-इन-शॉप मॉडल पर फार्मेसी काउंटर संचालित कर रहा है।

इससे कंपनी को नए स्टोर के किराए और ग्राहक अधिग्रहण लागत से बचने में मदद मिल रही है। आरएचआरपीएल ने वित्त वर्ष 24-25 में 12.92 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, हालांकि विस्तार के कारण घाटा भी बढ़कर 2.45 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी की 20 फीसदी सीधी छूट नीति से पड़ोस की केमिस्ट दुकानों के मुनाफे पर बड़ा असर पड़ सकता है, साथ ही ई-फार्मेसी कंपनियों के लिए भी चुनौती खड़ी हो रही है ।

जो होम डिलीवरी पर भारी खर्च के बावजूद मुनाफे के लिए संघर्ष कर रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने डीमार्ट के इस मॉडल की दीर्घकालिक स्थिरता पर सवाल उठाए हैं।

, खासकर दवाओं के जटिल इन्वेंट्री मैनेजमेंट और इतनी बड़ी छूट को बनाए रखने की चुनौती को लेकर। डीमार्ट के पास देश भर में 503 स्टोर्स का विशाल नेटवर्क है, जो सफल पायलट के बाद बड़े पैमाने पर लॉन्च का आधार बन सकता है।

पेटीएम पेमेंट बैंक बंद- जानिए क्या होगा और क्या नहीं!

आरबीआई ने नियमों का पालन न करने के कारण बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया था

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम पेमेंट बैंक (पीपीबीएल) को बंद (वाइंडिंग अप) करने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें बैंक का लाइसेंस रद्द करने के बाद उसकी संपत्तियों और देनदारियों के निपटारे की मांग की गई थी। हाईकोर्ट के इस निर्देश के साथ ही बैंक के मामलों को निपटाने के लिए एक आधिकारिक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त कर दिया गया है। आरबीआई का आरोप था कि पेटीएम पेमेंट बैंक लगातार नियामकीय नियमों का पालन करने में विफल रहा था। ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक ने पहले मार्च 2022 में बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया था। इसके बाद 2024 में भी नए डिपॉजिट लेने और कुछ बैंकिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। लगातार नियमों से जुड़े मुद्दों के बाद अंततः बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक पूर्व चीफ जनरल मैनेजर गिरिकुमार एम. नायर को आधिकारिक लिक्विडेटर नियुक्त किया है। लिक्विडेटर बैंक के बोर्ड की सभी शक्तियां ग्रहण करेगा और

उसकी संपत्तियों, देनदारियों के साथ-साथ ग्राहकों से जुड़े दावों का कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निपटारा करेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि पेटीएम पेमेंट बैंक के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि पेटीएम ऐप की सभी सेवाएं रुक जाएंगी। पेटीएम वालेट, यूपीआई पेमेंट, क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स और मर्चेंट पेमेंट जैसी सुविधाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। पेटीएम ने अपनी डिजिटल पेमेंट सेवाओं के लिए अन्य बैंकिंग पार्टनर्स के साथ पहले ही करार कर लिया है। यदि किसी ग्राहक का पैसा पेटीएम पेमेंट बैंक खाते या वॉलेट में है, तो लिक्विडेटर ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके दावों का निपटारा करेगा।

एमिरेट्स ने शुरू की क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान की सुविधा

शुरुआती चरण में यूएई के पात्र निवासी कर सकेंगे उपयोग

दुबई ।

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मुनाफे वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन एमिरेट्स ने डिजिटल भुगतान को अपनाते हुए एक ऐतिहासिक पहल की है। अब ग्राहक अपनी उड़ानों के लिए क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे। क्रिप्टो डॉट कॉम पे के साथ साझेदारी से, यह सुविधा ग्राहकों को सीधे अपने डिजिटल वॉलेट से टिकट बुक करने की अनुमति देगी। यह कदम ग्राहकों को भुगतान के अधिक विकल्प देने की एमिरेट्स की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर आज की युवा और डिजिटल-जागरूक पीढ़ी को लक्षित करते हुए। एमिरेट्स के एक प्रमुख ने इसे ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव का हिस्सा बताया। शुरुआती चरण में यह सुविधा केवल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उन पात्र निवासियों के लिए उपलब्ध होगी जो अमीराती दिरहम (एईडी) में अपनी बुकिंग करेंगे। यात्री एमिरेट्स की वेबसाइट और ऐप पर चेकआउट के दौरान इस विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। अपनी लग्जरी सुविधाओं और वैश्विक नेटवर्क के लिए मशहूर एमिरेट्स, जिसने हाल ही में 5.4 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड लाभ कमाया है, अब क्रिप्टो भुगतान के जरिए प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित करने की तैयारी में है, जिससे उसकी डिजिटल उपस्थिति और मजबूत होगी।

एथनॉल उत्पादन के लिए सरकार ने घाटे में बेचे 63.5 लाख टन चावल

सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारी मात्रा में चावल डिस्टलरियों को कम कीमत पर उपलब्ध कराए हैं, जिससे सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सरकार ने बताया कि उसने जिस कीमत पर चावल खरीदा था, उससे काफी कम दाम पर उसे एथनॉल बनाने के लिए बेचा गया है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि चावल से बनने वाले एथनॉल की उत्पादन लागत कच्चे तेल आधारित पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज़्यादा है। पिछले एक साल में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने लगभग 63.5 लाख टन चावल एथनॉल बनाने वाली डिस्टलरियों को 14,596.78 करोड़ रुपये में बेचे हैं। यह चावल 2,250 रुपये से 2,320 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराए गए थे। इसके विपरीत सरकार ने इन्हीं चावलों को किसानों से 3,720 रुपये से 3,889 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा था, जिसमें खरीद मूल्य, भंडारण, परिवहन और श्रम लागत शामिल थी। इस भारी अंतर के बावजूद, सरकार का दावा है कि उसने एथनॉल कंपनियों को कोई सब्सिडी नहीं दी है और चावल खुले बाजार मूल्य पर बेचा गया है, हालांकि स्पष्ट वित्तीय नुकसान साफ दिखता है। हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों ने सबसे ज्यादा चावल एफसीआई से खरीदे हैं। यह वित्तीय खाई भविष्य में भी बढ़ने की आशंका है। अगले वित्त वर्ष के लिए भी एफसीआई ने 72 लाख टन चावल बेचने की योजना बनाई है, जिसकी अनुमानित बिक्री कीमत 23,900 करोड़ रुपये है, जबकि इसकी वास्तविक लागत लगभग 43,100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। चावल से एथनॉल बनाने की लागत भी चिंताजनक है।

आरडी इंडस्ट्रीज का 426 करोड़ का आईपीओ 5 अगस्त से

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र की कंपनी में निवेशक 5 से 7 अगस्त तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली ।

सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र में कार्यरत आरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 426 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए प्रति शेयर 50-53 रुपए का मूल्य दायरा तय किया है। बड़े (एंकर) निवेशक 4 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ 7 अगस्त को बंद होगा। निर्गम में 320 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जबकि प्रवर्तक 1.99 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे। नए शेयर से 220 करोड़ रुपए कार्यशील पूंजी और 22 करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में इस्तेमाल होंगे। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ का पुनर्चक्रण कर शुद्ध सीसा एवं सीसा मिश्रधातु का विनिर्माण करती है। कंपनी के शेयर 12 अगस्त को सूचीबद्ध हो सकते हैं।

बढ़ती कीमतों पर लगाम, चीनी डीलरों के लिए स्टॉक सीमा तय

30 दिन से अधिक स्टॉक रखने पर रोक, अधिकतम 4000 क्विंटल की सीमा भी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में चीनी डीलरों के लिए स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है।

अब कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक समय तक स्टॉक नहीं रख सकेगा, और न ही किसी भी समय 4,000 क्विंटल से अधिक चीनी स्टॉक में रख पाएगा। यह आदेश 1 अगस्त से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगा। सरकार का यह निर्णय पिछले तीन महीनों में चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 39 रुपए से बढ़कर 45 रुपए प्रति किलोग्राम तक की वृद्धि के बाद आया है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और चीनी (नियंत्रण) आदेश, 2025 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। इससे पहले, चीनी डीलरों पर ऐसी कोई मात्रात्मक पाबंदी नहीं थी, हालांकि चीनी मिलों के लिए मासिक बिक्री कोटा तय किया जाता था। मानसून की कमी के पूर्वानुमान और कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयासों के तहत केंद्र ने पहले ही चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है। उद्योग निकाय इस्मा के एक अ धिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह देश में चीनी की स्थिर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करेगा।

वैज्ञानिकों के पलायन पर आईएसआरओ सख्त, छोड़ी नौकरी तो लगेंगे कड़े नियम

कार्यबल में बड़ी गिरावट, वेतन को लेकर चिंताएं बनी इस्तीफों का मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से लगातार हो रहे वैज्ञानिकों के पलायन पर चिंता व्यक्त करते हुए, अंतरिक्ष विभाग ने अब देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों में कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए नौकरी छोड़ने के नियमों को कड़ा कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इसरो का कार्यबल लगातार सिकुड़ता जा रहा है। इस्तिफयों के बढ़ते आंकड़ों ने इसरो के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। वर्ष 2017 में जहां इसरो में 16,072 लोग कार्यरत थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर 14,637 पर आ गई है। स्वीकृत पदों के मुकाबले काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी में भी गिरावट दर्ज की गई है। विशेष रूप से, वर्ष 2021 के बाद से वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों की संख्या में भी कमी आई है। इस पलायन का एक प्रमुख कारण कर्मचारियों के लिए वेतन संबंधी चिंताएं मानी जा रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, इसरो के छह प्रमुख प्रभागों में राजस्व व्यय के मुकाबले वेतन पर होने वाला व्यय लगातार घट रहा है, जो असंतोष का मुख्य कारण है।

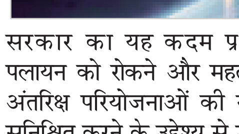

सरकार का यह कदम प्रतिभा पलायन को रोकने और महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि देश के अहम मिशनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

आईनॉक्स विंड को एनएलसी इंडिया से मिला 1,600 करोड़ का मेगा विंड प्रोजेक्ट

नई दिल्ली ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड से 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का बड़ा ठेका मिला है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 1,600 करोड़ रुपये है, जो कंपनी की परियोजना निष्पादन क्षमताओं को उजागर करता है। कंपनी के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह ठेका टर्नकी आधार पर (शुरू से अंत तक) पूरा किया जाएगा और इसे अनुबंध मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर क्रियान्वित किया जाना है। इस परियोजना के तहत, आईनॉक्स विंड एनएलसी इंडिया के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को विकसित करेगी। इस महत्वपूर्ण ठेके के साथ, आईनॉक्स विंड की कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 4.7 गीगावाट (4,700 मेगावाट) हो गई है, जिससे भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में इसकी मजबूत स्थिति और सुदृढ़ हुई है। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ठेका कंपनी की एकीकृत समाधानों, परियोजना क्रियान्वयन में विशेषज्ञता और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

वेल्लोर का अद्भुत श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

जब भी गोल्डन टेंपल का जिक्र होता है, तो सबसे पहले लोगों की जुबां पर पंजाब के अमृतसर का नाम आता है। गोल्डन मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। गोल्डन टेंपल सिख धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सिर्फ एक ही स्वर्ण मंदिर नहीं है। आपको हैरान होने की जरूरत नहीं है। भारत के तमिलनाडु के वेल्लोर नगर में भी एक स्वर्ण मंदिर है। इसको दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मान्यता है कि यह मंदिर मां लक्ष्मी को समर्पित है और इसको महालक्ष्मी मंदिर भी कहा जाता है।

दक्षिण का स्वर्ण मंदिर

साउथ के गोल्डन टेंपल को बनाने में करीब 1500 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से करीब 7 किमी की दूरी थिरुमलाई कोडी में स्थित है। अगर आप चेन्नई से इस मंदिर के दर्शन के लिए जाते हैं, तो यहां से दूरी करीब 145 किमी है।

श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर का प्रवेश द्वार मुख्य मंदिर से करीब 1.5 से 2 किमी दूरी पर है। द्वार से चलकर मुख्य मंदिर तक जाने के दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी।

लक्ष्मीनारायणी मंदिर की खासियत

तमिलनाडु के वेल्लूर में स्थित लक्ष्मी नारायणी मंदिर के निर्माण में कई किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि जब इस मंदिर का निर्माण हुआ था, तो करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आया था। लक्ष्मी नारायणी मंदिर का मुख्य मंदिर और दीवारें सोने की बनी हैं। इस मंदिर में मां लक्ष्मी की करीब 70 किलो की सोने की ठोस मूर्ति स्थापित है। मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति देख ऐसा लगता है कि जैसे साक्षात मां लक्ष्मी मंदिर में विराजमान हैं।

यह मंदिर दिन में चमकता है और रात में इसकी भव्यता देखने लायक होती है। मंदिर के परिसर में 27 फीट ऊंचा दीपमाला है। जब इसमें दीपक जलते हैं, तो सोने की चमक में इसकी सुंदरता शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।

मंदिर में फहराया जाता है तिरंगा

बता दें कि लोकसभा, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों की तरह साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। यह मंदिर हिंदुओं के लिए नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए खुला रहता है। माना जाता है कि साल 2007 में इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। यह मंदिर इतना फेमस है कि प्राचीन मंदिर की सुंदरता और भव्यता भी इससे पीछे रह जाते हैं।

ऐसे पहुंचे श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर

अगर आप साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर जाना चाहती हैं, तो आप यहां पर हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आसानी से पहुंच सकती हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर में स्थित है। ऐसे में अगर आप प्लेन से जाना चाहती हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति और चेन्नई का पड़ता है। तिरुपति हवाई अड्डे की दूरी करीब 120 किमी और चेन्नई से करीब 145 किमी दूर है। वहीं अगर आप रेल से जा रही हैं, तो वेल्लोर से करीब का रेलवे स्टेशन कटपडी है। जोकि मंदिर से करीब 7 किमी दूर है।

केरल की इन हसीन जगहों पर जरूर घूमें

केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्यों में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर के तट पर स्थित केरल एक बेहद खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप भी अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

अल्लेप्पी

अगस्त के महीने में केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई कपल्स सबसे पहले अल्लेप्पी पहुंचते हैं। यह जगह अपनी खूबसूरती और मेहमान नवाजी के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है।

यह जगह अपने सबसे सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीचेज के लिए जाना जाता है। यहां पर समुद्र तट के किनारे कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जो कपल्स का शानदार वेलकम करते हैं। वहीं आप खूबसूरत बीच के किनारे खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का लुत्फ उठा सकते हैं। वहीं पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का भी आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

वैसे केरल का मुन्नार तो हर कोई घूमने जाता है, लेकिन अगर आप किसी भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो आपको वायनाड को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक और क्वांटिटी टाइम बिता सकेंगे।

वायनाड एक बेहद शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। जोकि अपने चाय-काफी के बागान, हरियाली और शानदार वॉटरफॉल के लिए फेमस है। यहां पर कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में कोवलम का नाम भी शामिल है। यह अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर सिर्फ अगस्त के महीने में नहीं बल्कि हर महीने पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह अपने अधिक समुद्र तटों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर हवा बीच, लाइट हाउस बीच और कोवलम बीच के किनारे कई कपल्स हनीमून के लिए भी पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का ऐतिहासिक और धार्मिक शहर माना जाता है। त्रिशूर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने का मौका मिलेगा। आप यहां पर अथिरापल्ली झरना, वड़ाकुमनाथन मंदिर आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है जमशेदपुर के आसपास स्थित ये बेहतरीन जगहें, एक दिन में करें एक्सप्लोर

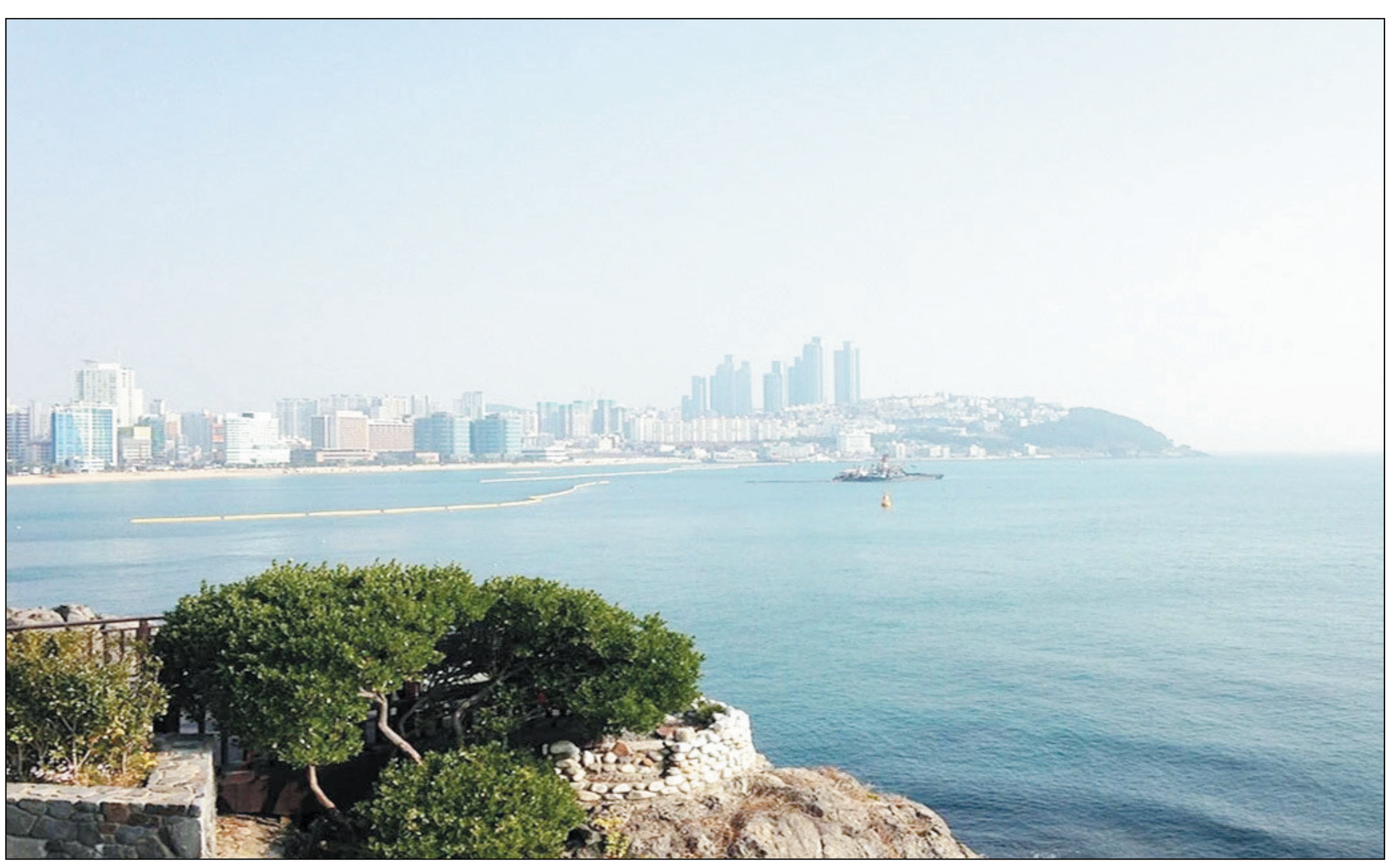

जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जमशेदपुर झारखंड का सबसे बड़ा शहर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस शहर को स्टील सीटी या टाटानगर के नाम से भी जाना जाता है। जमशेदपुर को देश का औद्योगिक शहर भी माना जाता है। यह झारखंड का एक प्रमुख शहर है, लेकिन जब भी यहां पर घूमने की बात होती है, तो बहुत कम जगहें ऐसी हैं, जहां पर पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसलिए कई लोग जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

डालमा हिल्स

जमशेदपुर में जब भी किसी शानदार और खूबसूरत जगह घूमने की बात होती है, तो कई लोग डालमा हिल्स का सबसे पहले नाम लेते हैं। कई लोग इसको दालमा हिल्स के नाम से भी जानते हैं। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। झारखंड के कई शहरों से पर्यटक डालमा में पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां पर लोग एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

डालमा हिल्स व्यू पॉइंट
दलमा वन्यजीव अभयारण्य
मकुलाकोचा
डालमा माई मंदिर
चांडिम डैम

झारखंड में सुवर्णरेखा नदी पर चांडिम डैम स्थित है। यह राज्य का प्रमुख डैम होने के साथ ही एक फेमस खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। यहां का पानी सिंचाई के अलावा औद्योगिक उपयोग, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस डैम को एक फेमस पिकनिक स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का और प्रकृति का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। चांडिम डैम को साइबेरियन पक्षियों का घर भी माना जाता है। मानसून में इस डैम की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

घाटशिला

जमशेदपुर से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित घाटशिला एक खूबसूरत और प्रमुख पहाड़ी शहर है। यह राज्य के पूर्वी सिंहभूमि जिले में स्थित है। यह खूबसूरत शहर सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा है। झारखंड में घाटशिला को %उत्सवों का शहर% भी माना जाता है। इस जगह को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। बुरुडीह झील घाटशिला की शान मानी जाती है।

यहां घूमें

पांच पांडव स्थल
रंकिणी मंदिर
फूलडुंगरी पहाड़ी
बुरुडीह झील
मुकुटमणिपुर

यह पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। जोकि झारखंड की सीमा से कुछ दूरी पर स्थित है। कंगसाबती और कुमारी नदियों के संगम पर मुकुटमणिपुर स्थित है। इसके कारण यहां दोनों ही राज्यों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मानसून में मुकुटमणिपुर की खूबसूरती चरम पर होती है।

यहां घूमें मुकुटमणिपुर बांध
परेश नाथ पहाड़ी
हिरण पार्क

पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया।

वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा। ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाईं और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (छ्व्रु 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

गोल्ड मेडल: ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। **सिल्वर मेडल:** भारत के गुलवीर सिंह (27:49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। **कांस्य पदक:** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

नई दिल्ली। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था। ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं स्ड्ढ द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।

उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लास्गो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता-पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27:49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ-सेंचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।

सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया और आत्मविश्वास बढ़ाया

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

मिर्जापुर: द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''

अक्षय की 'समुक' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में फ्लोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शेड्यूल की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोडक्शन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शेड्यूल की अवधि ढाई से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेटअप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीमों को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वही फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री

गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजहब बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। ट्रेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत घुमाता है। वापस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।

अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

संक्षिप्त समाचार

बीजिंग में भारत-चीन बैठक संबंधों को सुधारने पर जोर

बीजिंग , एजेंसी। भारत और चीन के बीच संबंधों को फिर से सामान्य बनाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रयासों के तहत विदेश सचिव विक्रम मिसरी अपनी आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन सोमवार को उन्होंने बीजिंग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप-मंत्री सुन हायान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने पर विस्तार से चर्चा हुई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों अधिकारियों के बीच आपसी प्राथमिकता वाले मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता, थिंक-टैंक जुड़ाव, अकादमिक आदान-प्रदान और आम लोगों के बीच आपसी संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिसरी ने चीन की राष्ट्रीय राजनीतिक सलाहकार संस्था के उप-महासचिव होंग लियांग से भी मुलाकात की। इस बैठक में भी दोनों के बीच राजनीतिक और जन-स्तरीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

यूक्रेन को ड्रोन-रोधी एआई तकनीक देगा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को इंग्लैंड के एक नौसैनिक अड्डे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से मुलाकात की। प्रधानमंत्री बनने के बाद किसी विदेशी नेता का यह उनका पहला दौरा रहा। बर्नहैम ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है और न्यायसंगत शांति स्थापित होने तक उसका समर्थन जारी रहेगा। इस दौरान ब्रिटेन ने यूक्रेन को अत्याधुनिक 'स्टोन क्लॉक' इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार सौंपने की घोषणा की। यह तकनीक दुश्मन के ड्रोन को भटकाने और नाकाम करने में सक्षम है। दोनों नेताओं ने ब्रिटेन में तीन सप्ताह का सैन्य और समुद्री बारूदी सुरंग रोधी प्रशिक्षण पूरा करने वाले 200 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तान में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर 17 वर्षीय किशोरी की उसके चचेरे भाई ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार को ननकाना साहिब जिले में हुई। आरोपी जावेद इकबाल अपनी चचेरी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन उसने प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाजार जाते समय आरोपी ने उसे रोककर दोबारा शादी के लिए दबाव बनाया। मना करने पर उसने नजदीक से गोली मार दी, जिससे किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य घटना में रहीम यार खान जिले में 23 वर्षीय युवक का कथित प्रेम संबंध होने पर अपहरण कर उसकी नाक काट दी गई। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका में सरकारी किराना स्टोर प्लान : न्यूयॉर्क सिटी मेयर बोले- खाद्य पदार्थों पर 30 फीसदी छूट

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने सरकारी किराना स्टोर खोलने की योजना बनाई है। सोमवार को उन्होंने फल, मांस व अन्य रसोई के सामान पर 30 फीसदी छूट की घोषणा की। उद्देश्य बढ़ती खाद्य कीमतों को कम करना है। पांच स्टोर शहर के पांचों बरो में खुलेंगे। पहला 2027 के अंत तक ब्रोंक्स में खुलेगा। ममदानी ने कहा, 30 फीसदी छूट से न्यूयॉर्क के लोगों को वास्तविक बचत होगी। दैनिक संचालन के लिए निजी ऑपरेटरों को चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रशासन स्टोरफ्रंट, किराया व संपत्ति कर का वहन करेगा। छोटे किराना व्यापारी व बोडेगा मालिक रियायती कीमतों से प्रतिस्पर्धा पर चिंतित हैं। ममदानी ने कहा, स्टोर गर्म भोजन, बीयर या सिगरेट नहीं बेचेंगे, ताकि निजी दुकानों से प्रतिस्पर्धा न हो। मैनहट्टन और ब्रोंक्स में जगह चुन ली गई है।

100 साल पुराने घर में छिपा था गुप्त कमरा, खोलते ही मिला खजाना ; हो गए मालामाल

लंदन, एजेंसी। यूके में एक दंपती को अपने 100 साल पुराने घर में एक गुप्त कमरा मिल गया जिसमें खजाना छिपा हुआ था। 34 साल की लीजा और उनके पति छुट्टियों में अपने पैतृक घर गए थे। यह घर लंबे समय से बंद था और वे दोनों शहर में रहने लगे थे। साफ सफाई के दौरान उन्हें फर्श पर एक जगह ईट उठी हुई दिखी तो उन्होंने इसे हटाया। अंदर एक कमरे जैसा दिखी दिया। इसके बाद दोनों ने इसे खोलने का फैसला किया। एक दीवार तोड़ने के बाद उन्हें अपने ही घर में एक गुप्त कमरा मिला। इस कमरे में चारों ओर कोयला ही कोयला दिखाई दे रहा था। दोनों ने सोचा कि पुराना कमरा है और इसकी साफ-सफाई करदी जाए। कोयला साफ करते समय उन्हें एक टिन बॉक्स मिला जिसमें जंग लगा हुआ था।

फ्रांस के जंगलों में भीषण तबाही: मैक्रों बोले- 'हम मिलकर जीतेंगे यह लड़ाई'

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस, स्पेन और इटली इस समय भीषण जंगल की आग से जूझ रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर दमकलकर्मियों का हौसला बढ़ाया और इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा अग्नि संकट बताया। फ्रांस और स्पेन में अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में इतिहास की सबसे बड़ी जंगल की आग दर्ज की गई है, जबकि लगातार पड़ रही हीटवेव और जलवायु परिवर्तन ने हालात को और गंभीर बना दिया है।

हालात इतने खराब कैसे हुए : दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में आग बुझाने के लिए बनाए गए समन्वय केंद्र (कोऑर्डिनेशन सेंटर) के दौरे के दौरान मैक्रों ने अधिकारियों से पूरी स्थिति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि पिछले सप्ताह से धधक रही आग बेहद अनिश्चित रही है। कई बार इसने खुद ही फैलने वाले 'फायर स्टॉर्म' यानी आग के तूफान का रूप ले लिया। इस आग ने पेरिस से लगभग चार गुना बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 2.20 लाख लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

मैक्रों ने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट क्यों बताया : मैक्रों ने कहा कि हम ऐसी आग का सामना कर रहे हैं, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई।' उन्होंने इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद फ्रांस में आग से जुड़ा सबसे बड़ा संकट बताया। राष्ट्रपति ने लगातार कई दिनों तक कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले दमकलकर्मियों की सराहना की, जिन्होंने सोमवार तक आग के आगे बढ़ने की रफ्तार को रोकने में सफलता हासिल की। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जंगलों में अब भी कई जगह आग सुलग रही है और खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आने वाले सप्ताह बेहद चुनौतीपूर्ण होंगे।

क्या हीटवेव आग पर काबू पाने में सबसे बड़ी चुनौती बनेगी : हजारों दमकलकर्मी और पानी व अग्निरोधी रसायन गिराने वाले विमान लगातार अभियान में जुटे हुए हैं। राहत कार्य समय के खिलाफ दौड़ बन चुका है, क्योंकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाली हीटवेव आग बुझाने के प्रयासों को और कठिन बना सकती है। राष्ट्रीय मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जबकि बुधवार को इससे भी अधिक गर्मी पड़ सकती है।

क्या फिलहाल आग पर कुछ हद तक काबू पाया जा सका है : क्षेत्रीय प्रशासन के मुताबिक सोमवार रात तक स्थिति 'कुल मिलाकर स्थिर' रही, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में राहत देने वाली खबर है। इससे पहले आग बोर्डो शहर के बाहरी हिस्सों से महज 15 किलोमीटर दूर तक पहुंच गई थी। लगभग 2.68 लाख आबादी वाले इस ऐतिहासिक शहर के आसपास आग ने बिजली जैसी चमक के साथ 'फायर स्टॉर्म' पैदा किए, जिससे कई नई जगहों पर आग भड़क उठी।

क्या लोगों को अभी भी घर छोड़ने की जरूरत पड़ रही है : सोमवार को किसी नए इलाके को खाली कराने की घोषणा नहीं की गई। हालांकि अगस्त में शुरू होने वाले पर्यटन सीजन को देखते हुए गिरोंडे क्षेत्र के प्रशासन ने बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए संचालित होने वाले हॉलिडे कैंपों पर रोक लगा दी है, ताकि जोखिम वाले इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही सीमित की जा सके।

आग को रोकने के लिए जमीन पर कैसी तैयारी की जा रही है : आग की रफ्तार रोकने के लिए भारी अर्थ-मूवर मशीनों से जंगल और झाड़ियों के बीच खाली पट्टियां बनाई जा रही हैं, ताकि आग आगे न बढ़ सके। किसान भी पानी के टैंकरों के जरिए दमकल टीमों तक लगातार पानी पहुंचा रहे हैं और राहत अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

कौन-कौन से देश फ्रांस और स्पेन की मदद के लिए आगे आए हैं : करीब एक दर्जन देशों ने फ्रांस और स्पेन को विमान, हेलीकॉप्टर, दमकलकर्मी और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए हैं। दोनों देशों में लगी भीषण आग के कारण अब तक 3.30 लाख से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्पेन में मैड्रिड के आसपास और वालेंसिया क्षेत्र में जंगल की आग लगातार फैल रही है। प्रशासन ने 79 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, जबकि 30 हजार लोगों को एहतियातन घरों के भीतर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। फ्रांस और स्पेन, दोनों देशों में इस वर्ष समय से पहले और अत्यधिक तीव्र हीटवेव देखने को मिली। इससे जंगल और झाड़ियां पूरी तरह सूख गईं और आग तेजी से फैलने लगी। इन हालात के बीच जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

ट्रंप ने फिर छेड़ी ईवी बनाम पेट्रोल कार की बहस ?: पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की नीति पर साधा निशाना, दी बड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन (पेट्रोल-डीजल) वाले वाहनों में अपनी पसंद से चुनाव करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। ट्रंप का दावा है कि उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की ईवीनीति और ईंधन दक्षता मानकों को समाप्त कर अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान से बचाया।

ट्रंप ने ईवी नीति पर क्या कहा : मिशिगन में जनरल मोटर्स के मिलफोर्ड प्रूविंग ग्राउंड के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को खत्म कर दिया था। उनके अनुसार, यदि वह नीति जारी रहती तो अमेरिकी ऑटो उद्योग को भारी नुकसान होता। उन्होंने कहा कि यदि कोई इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहता है तो उसके लिए विकल्प मौजूद हैं, लेकिन यदि कोई पेट्रोल-डीजल या अन्य प्रकार का वाहन खरीदना चाहता है तो उसे भी वही स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

रोजगार को लेकर ट्रंप ने क्या चिंता जताई : ट्रंप ने कहा कि इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में पारंपरिक वाहनों की तुलना में कम कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे मिशिगन जैसे उन राज्यों में रोजगार प्रभावित हो सकता है, जहां बड़ी संख्या में लोग ऑटोमोबाइल उद्योग पर निर्भर हैं। ट्रंप ने कहा कि

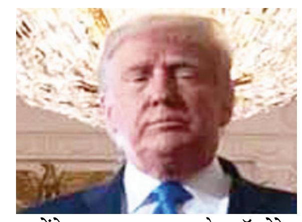

उन्होंने बाइडन प्रशासन के कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (CAFE) मानकों को भी समाप्त कर दिया। उनके अनुसार, ये मानक अमेरिकी वाहन कंपनियों को दिवालिया होने की ओर ले जा सकते थे और इंटरनल कंबशन इंजन वाले वाहनों के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर सकते थे। उन्होंने कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, ऐसा नहीं होने देंगे।

टैरिफ और घरेलू उत्पादन पर क्या बोले : ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिका के बाहर बनने वाले वाहनों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि देश में निर्मित वाहनों पर यह लागू नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कंपनियां अमेरिका में उत्पादन बढ़ा रही हैं। उन्होंने जनरल मोटर्स की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने 2026 में ट्रक और एसयूवी उत्पादन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और पिछले दो वर्षों में अमेरिका में फैक्ट्रियां वापस लाने के लिए 9 अरब डॉलर का निवेश किया है। बाइडन प्रशासन ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्सर्जन और ईंधन दक्षता से जुड़े कड़े मानक लागू किए थे। इन नीतियों में सभी नए वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना अनिवार्य नहीं था।

नाइजीरिया में आधी रात बंदूकधारियों का खूनी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत... पूरे इलाके में मचा हड़कंप

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कडुना में रविवार देर रात अज्ञात बंदूकधारियों ने एक समुदाय पर हमला किया, जिसमें बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस हमले की पुष्टि स्थानीय मीडिया ने सोमवार को करते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। नाइजीरिया के अखबार 'द पंच न्यूजपेपर्स' के अनुसार, कौरू लोकल गवर्नमेंट एरिया के नारिडोन समुदाय में बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और घरों के साथ ही दुकानों में भी आग लगा दी, जिससे कई निवासी घायल हो गए। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है।

आधी रात को हुआ अचानक हुआ हमला : अखबार ने कम्युनिटी लीडर्स के हवाले से बताया कि हमला रविवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 11:00 बजे शुरू हुआ। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घायल कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस हमले में स्थानीय निवासी डोगोन राना का घर भी नष्ट कर दिया गया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बंदूकधारियों ने दूरदराज के समुदाय को घेर लिया और अंधाधुंध हमला किया। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कडुना राज्य में हाल के वर्षों में हिंसक हमलों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सांप्रदायिक झड़पें भी शामिल हैं। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि नाइजीरिया के दक्षिणी राज्य अनाम्ब्रा में रविवार देर रात तीन मंजिला इमारत गिरने के बाद दर्जनों लोगों के फंसे होने की आशंका है। अनाम्ब्रा राज्य में पुलिस के प्रवक्ता टोचुकु इकेन्गा ने फोन पर सिन्हुआ को बताया कि 'एलीट फाइव स्टार लॉज' नाम की इमारत के मलबे से कई घायल लोगों को बचाया गया है। इस इमारत में मुख्य रूप से अनाम्ब्रा में फेडरल पॉलिटेक्निक ओको के छात्र रहते थे। इकेन्गा ने कहा कि सोमवार को बचाव अभियान जारी रहा और आपातकालीन बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों का पता लगाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस इमारत में आम तौर पर शैक्षणिक संस्थान के छात्रों की भीड़ रहती है।

ट्रंप की धमकी के बाद दहला ईराक; एरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास ड्रोन हमले, अलर्ट पर अमेरिकी सेना

बगदाद, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार तड़के उत्तरी इराक का एरबिल शहर जोरदार धमाकों की आवाजों से थर्रा उठा। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बेहद करीब हुए इन विस्फोटों के पीछे ईरान समर्थित ड्रोन हमलों की आशंका जताई जा रही है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संवेदनशील कूटनीतिक वार्ताएं चल रही हैं।

दूतावास के पास अफरा-तफरी, कई इलाकों में आग : स्थानीय पुलिस और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एरबिल के उत्तर-पूर्व में स्थित खलिफान और सोरान क्षेत्रों में कम से कम चार ड्रोन हमले दर्ज किए गए। लोगों ने बताया कि एरबिल शहर में एक के बाद एक करीब सात धमाके सुने गए, जिनमें से कुछ अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के आसपास हुए। इन हमलों के बाद प्रभावित क्षेत्रों में भीषण आग लग गई और आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। फुटेज में इराकी कुर्दिस्तान के ऊपर सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम की गतिविधियां भी नजर आई हैं।

अलर्ट पर अमेरिकी सेना : हमले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां अचानक तेज हो गई हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि धमाकों के तुरंत बाद एरबिल के आसमान में 10 से अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन गश्त करते देखे गए। हालांकि, पेंटागन या अन्य अमेरिकी अधिकारियों की ओर से अभी तक किसी जानी-नुकसान या जवाबी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गैस क्षेत्र को भी बनाया गया निशाना : ईरान के सरकारी प्रसारक IRIB ने दावा किया है कि यह हमला केवल एरबिल तक सीमित नहीं था। खबरों के मुताबिक, सुलेमानिया प्रांत के खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला हुआ है। इसके अलावा, अल-अनबर प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया गया है, जिसके मलबे की तस्वीरें हदीथा बांध के पास से सामने आने की बात कही जा रही है।

ट्रंप की चेतावनी और वार्ता की अनिश्चितता : यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने बातचीत विफल होने पर कड़ी सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वर्तमान में ओमान, कतर, पाकिस्तान और मिस्र जैसे देश अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं, ताकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित रखा जा सके और परमाणु समझौते पर सहमति बन सके। लेकिन एरबिल में हुए इन हमलों ने शांति की इन कोशिशों पर सवालिया निशान लगा दिया है।

टोरंटो में अमेरिका कॉन्सुलेट को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया, पुलिस जांच जारी

टोरंटो, एजेंसी। उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में अमेरिकी कॉन्सुलेट को सोमवार को इस साल दूसरी बार गोलियों से निशाना बनाया गया. हमलावर गोलीबारी के बाद फरार हो गया. इस हमले के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस हमलावर की तलाश में जुट गई है. सीबीसी न्यूज के मुताबिक कॉन्सुलेट के पास रेगुलर पेट्रोलिंग कर रहे एक ऑफिसर ने सुबह करीब 4:45 बजे इलाके में गोलियों की आवाज सुनी. ऑफिसर 10 मार्च को उस जगह पर हुई पिछली शूटिंग के बाद वहां तैनात थे.

रिपोर्ट के मुताबिक टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने कहा कि ऑफिसर ने तुरंत एक सफेद होंडा अकॉर्ड को बिना लाइसेंस प्लेट के उस जगह से तेजी से भागते देखा. ऑफिसर्स ने डॉन मिल्स रोड के पास डॉन वैली पार्कवे पर थोड़ी देर गाड़ी का पीछा किया, लेकिन गाड़ी की स्पीड 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज़्यादा होने के बाद सेफ्टी रिस्क की वजह से पीछा रोक दिया. पीछा करने के दौरान एरियल सपोर्ट मौजूद नहीं था.

घटना पर बात करते हुए डिप्टी चीफ बैरेडो ने कहा, 'हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से लेंगे. उन्होंने शूटिंग को बेशर्मी और घिनौना बताया. सीबीसी न्यूज ने बताया कि पुलिस ने कॉन्सुलेट के पास से एक शेल केसिंग बरामद की और बिल्डिंग के सामने के हिस्से को नुकसान देखा. घटना के संबंध में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. सीबीसी न्यूज ने बताया कि अमेरिकी एम्बेसी के एक स्पोक्सपर्सन ने एक ईमेल स्टेटमेंट में टोरंटो पुलिस को उनके तेज रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद दिया. मकसद और गाड़ी में सवार लोगों की संख्या की जांच अभी भी जारी है. टोरंटो पुलिस स्पोक्सपर्सन स्टेफ़नी सेयर ने बताया कि डिपार्टमेंट अभी ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस या डरहम रीजनल पुलिस सर्विस के हेलीकॉप्टर पर निर्भर है, लेकिन इस साल के आखिर में उसे अपना एयरक्राफ्ट मिलने वाला है. सोमवार को रिपोर्टर्स से बात करते हुए टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी आनंदसांगरी से शहर में गन वायलेंस और गैर-कानूनी हथियारों की आमद को रोकने के तरीकों के बारे में बात की. मेयर चाउ ने इस शूटिंग को बेशर्म हमला बताया. सीबीसी न्यूज़ के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (त्रस्स्क्क) टोरंटो पुलिस और इंटरनेशनल पार्टनर्स के साथ मिलकर जांच में सहयोग कर रही है. आरसीएमसी सुपरिंटेंडेंट जोनाथन को ने कहा, 'कनाडा में किसी भी व्यक्ति के प्रति धमकी और हिंसा को बहुत गंभीरता से लिया जाता है.' सीबीसी न्यूज ने बताया कि यह घटना 10 मार्च को हुई इसी तरह की घटना के बाद चार महीने से कुछ ज़्यादा समय में डाउनटाउन लोकेशन पर दूसरी शूटिंग है।

अमेरिका में नाबालिगों के लिए एडिक्टिव एआई चैटबॉट्स पर रोक लगाने वाला विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक लॉमेकर ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एआई चैटबॉट बनाने वाली कंपनियों को नाबालिगों के लिए ऐसे फीचर उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जो भावनात्मक निर्भरता, अत्यधिक उपयोग और लत को बढ़ावा देते हैं। वर्मोंट से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि बेका बालिंट द्वारा पेश किए गए एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट के तहत उन कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो नाबालिगों को एडिक्टिव डिजाइन वाले चैटबॉट उपलब्ध कराती हैं। यह विधेयक ऐसे समय में लाया गया है, जब किशोर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए तेजी से एआई चैटबॉट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, बालिंट के कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अधिकांश चैटबॉट्स इस तरह से डिजाइन नहीं किए गए हैं कि वे मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे किसी युवा को सुरक्षित और उचित प्रतिक्रिया दे सकें।

बालिंट ने कहा, तकनीकी कंपनियों ने वर्षों तक यह सीखने में बिताया है कि लोगों का ध्यान कैसे आकर्षित किया जाए और उन्हें अधिकतम समय तक कैसे जोड़े रखा जाए। उन्हें यही रणनीति उन संवेदनशील बच्चों पर लागू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, जो मानसिक स्वास्थ्य संकट के दौरान किसी एआई चैटबॉट का सहारा ले रहे हों। उन्होंने आगे कहा, हम एआई के मामले में वही गलती नहीं दोहरा सकते। इससे पहले कि और परिवार इसके दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हों, हमें स्पष्ट नियम, शोध और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के तहत कंपनियों को ऐसे चैटबॉट्स नाबालिगों के लिए उपलब्ध कराने से रोका जाएगा, जिनमें ऐसे फीचर हों जो लत, अस्वस्थ भावनात्मक लगाव या अत्यधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

विधेयक में टाइपिंग बबल्स, अवतार और पिछली बातचीत से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारी का संग्रह और उपयोग संभावित रूप से एडिक्टिव फीचर्स के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, बातचीत जारी रखने के लिए आगे और जुड़ाव या भुगतान की अनिवार्यता, दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की अनुमति देना और किसी वास्तविक व्यक्ति का प्रतिरूप प्रस्तुत करना भी इस श्रेणी में शामिल किया गया है। प्रस्तावित प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक प्रभावित नाबालिग के लिए 5,000 डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग में 19 की मौत, कई जगह मतपेटियां फूंकीं; तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान जबरदस्त खून-खराबा देखने को मिला। एक तरफ पाकिस्तान इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बता रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस दौरान हुई हिंसा और पाकिस्तानी रेंजर्स की अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई है, जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रावलकोट में पाक रेंजर्स की बर्बरता : सबसे भीषण हिंसा रावलकोट इलाके में हुई। सूत्रों और सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी 'मुजफ्फराबाद चलो' लॉन्ग मार्च निकालने की तैयारी कर रहे थे, तभी पाक रेंजर्स ने उन पर गोलियां चला दीं। इस कार्रवाई में 19 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

भींबर में मतपेटियां फूंकीं : हिंसा की लपटें केवल रावलकोट तक सीमित नहीं रहीं। भींबर जिले में एक मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। हालात इतने बिगड़ गए कि उपद्रवियों ने एक मतपेटी छीन ली और उसे आग के हवाले कर दिया, जिससे उसमें रखे सभी वोट जलकर राख हो गए। उधर, कोटली जिले के नकयाल में हुई झड़प में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के एक कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस की मौत की खबर है। पीपीपी ने इस हत्या के लिए अपने राजनीतिक विरोधियों को जिम्मेदार ठहराया है।

जेएएसी का चुनाव बहिष्कार : यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब पीओके का प्रशासन और नागरिक संगठनों का समूह जेएएसी आमने-सामने हैं। जेएएसी ने शासन की विफलता, आर्थिक तंगी और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर इन चुनावों के बहिष्कार का ऐलान किया था। संगठन की मुख्य मांग 1947 के बाद यहां बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना है। पिछले दो महीनों से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद ने इस संगठन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था, जिससे जनता में भारी गुस्सा है।

दमन का नतीजा है यह आक्रोश : पीओके में जारी इस अस्थिरता पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न हिस्से हैं। भारत के अनुसार, पीओके में हो रहे प्रदर्शन पाकिस्तान की ओर से दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा परिणाम हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हाल ही में कहा था कि अब पाकिस्तान से सिर्फ पीओके पर बात होगी।

रावलकोट के भयावह हालात: सड़कों पर लाशें और खून : रावलकोट में पिछले 52 दिनों से चल रहे 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी बलों द्वारा की गई कार्रवाई ने खौफनाक रूप ले लिया है। स्थानीय लोगों के बयान बेहद डरावने हैं। रावलकोट में मौजूद चश्मदीद और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अकील भाई ने वीडियो जारी कर बताया कि वहां हर तरफ लाशें और घायल लोग नजर आ रहे हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.